मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

वर्ष : 44 ■ अंक : 60 ■ रविवार 10 मई 2026 ■ 3 रुपए ■ पृष्ठ 4

FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com Google Play
GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play · Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel · Subscribe

संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A. Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..
बॉलीवुड में अब भी पुरुषों का दबदबा -कृति सेनन

विट्ठलवाड़ी फ्लाईओवर प्रोजेक्ट को मिली रफ्तार

■ आयुक्त-महापौर ने फ्लाईओवर के काम का किया निरीक्षण

■ प्रशासन और पदाधिकारियों का जॉइंट इंस्पेक्शन टूर

उल्हासनगर. उल्हासनगर मनपा आयुक्त मनीषा आव्हाले, महापौर अश्विनी निकम और शिवसेना के पदाधिकारियों ने मिलकर शहर में ट्रैफिक जाम के परमानेंट सॉल्यूशन के तौर पर बन रहे विट्ठलवाड़ी से पाम होटल फ्लाईओवर प्रोजेक्ट के काम का इंस्पेक्शन किया और काम की स्पीड और क्वालिटी का रिव्यू किया. शहर के लिए बहुत महत्वपूर्ण माने जा रहे 700 करोड़ रुपये के इस प्रोजेक्ट से भविष्य में ट्रैफिक की सूरत बदल जाएगी.

लगभग 2.5 किलोमीटर लंबे इस एलिवेटेड फ्लाईओवर की वजह से विट्ठलवाड़ी और कल्याण-अहमदनगर हाईवे के बीच का सफर अभी के 40 मिनट से घटकर सिर्फ 5 मिनट का रह जाएगा. इससे शहरवासियों को ट्रैफिक जाम से बड़ी राहत मिलेगी. इस इंस्पेक्शन टूर के दौरान शिवसेना ग्रुप लीडर अरुण आशान, कॉर्पोरेटर राजेंद्र चौधरी, निखिल पाटिल, अमर जग्यासी और कमलेश निकम मौजूद थे।

इस समय, संबंधित अधिकारियों से प्रोजेक्ट के काम की मौजूदा स्थिति, कंस्ट्रक्शन की क्वालिटी, सुरक्षा उपायों और तय समय में काम पूरा करने के बारे में डिटेल में जानकारी ली गई। इंस्पेक्शन के दौरान कमिश्नर मनीषा आव्हाले ने काम की क्वालिटी बनाए रखते हुए स्पीड बढ़ाने के निर्देश दिए, जबकि महापौर अश्विनी निकम ने भरोसा जताया कि इस प्रोजेक्ट के पूरा होने के बाद शहर का ट्रैफिक सिस्टम और भी आसान और डायनामिक होगा। इस बीच, संबंधित डिपार्टमेंट को एक अल्टरनेटिव ट्रांसपोर्ट सिस्टम की ठीक से प्लानिंग करने के निर्देश भी दिए गए ताकि प्रोजेक्ट के काम की वजह से लोगों को कम से कम परेशानी हो।

मां-बेटे पर किया हथौड़े से हमला

■ विट्ठलवाड़ी पुलिस की भूमिका संदेहास्पद

■ देवर ने किया भाभी-भतीजे पर हमला

■ आरोपी को गिरफ्तार करने की मांग

उल्हासनगर. किसी बात को लेकर देवर ने अपनी भाभी और भतीजे पर हाथौड़े से हमला कर फरार हो गया है। मिली जानकारी के अनुसार विट्ठलवाड़ी पुलिस क्षेत्र में सुरेश संतोष मेकेटीस सुभाष टेकड़ी परिसर में अपने बेटे स्वपनील के साथ रहती है। उसके पति का 2017 में निधन हो गया। उसके पास में ही उसका देवर विल्सन मेटेकीस रहता है जो बिना कारण उसे गाली गलौच और धमकी देता रहता है। 7 मई की सुबह 6.30 बजे जब विल्सन वापस गाली गलौज करने लगा तो उसकी भाभी ने उसे मना किया आक्रोशित विल्सन ने अपनी भाभी पर हथौड़े से हमला किया और अपनी मां को बचाने आए भतीजे पर भी हथौड़े से हमला किया। खून से लथपथ सुरेखा विट्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन में शिकायत करने गई तो उसे उपचार के लिए सेंट्रल अस्पताल भर्ती कराया गया। इस मामले में पीड़िता का आरोप है कि पुलिस ने उसे गिरफ्तार किए बिना ही छोड़ दिया है। क्या आरोपी पुलिस से सुरक्षित हैं? क्या अपराधियों को भागने का मौका दिया जाता है? ऐसे कई सवाल अब नागरिक उठा रहे हैं। इस बीच, अगर पुलिस इतने गंभीर हमले के आरोपी को बिना गिरफ्तार किए छोड़ रही है, तो स्वाभाविक है कि पुलिस के काम करने के तरीके पर सवालिया निशान लग रहा है, इसलिए नागरिक मांग कर रहे हैं कि इस मामले के आरोपी को तुरंत गिरफ्तार किया जाए।

उल्हासनगर-5 में जीजा पर चाकू से खूनी हमला

■ दो आरोपी गिरफ्तार

■ हिललाइन पुलिस में मामला दर्ज

■ पेट्रोल पंप पर किया हमला

■ पुरानी दुश्मनी के चलते किया हमला

उल्हासनगर. उल्हासनगर शहर में कानून व्यवस्था दिनों दिन बिगड़ती जा रही है। शुक्रवार दोपहर को उल्हासनगर 5 स्थित इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप पर काम कर रहे युवक नागेश चौहान पर उसके साले ने पुरानी रंजिश के चलते खूनी हमला कर दिया। जिसमें नागेश चौहान बुरी तरह घायल हो गया है उसे उपचार के लिए सेंट्रल अस्पताल में भर्ती कराया गया लेकिन हालत नाज़ुक के चलते उसे मुंबई के अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उसकी हालत नाज़ुक बताई गई है। हिललाईन पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी शकील खान और अरबाज खान को गिरफ्तार कर लिया है। आगे की जांच पुलिस कर रही है।

बकायेदारों के खिलाफ मनपा करेगी जब्ती की कार्रवाई

■ मंथन प्रोजेक्ट के तहत 'ज़ीरो एरियर टारगेट'

उल्हासनगर. महानगर पालिका ने अब डिफॉल्टर्स के खिलाफ 'डिजिटल अटैक' की तैयारी शुरू कर दी है। टैक्स डिपार्टमेंट शहर की हर प्रॉपर्टी पर नज़र रखेगा। कमिश्नर मनीषा आव्हाले की पहल पर, प्रोजेक्ट मंथन रेवेन्यू सुधार अभियान के तहत प्रॉपर्टी सिस्टम को पूरी तरह ट्रांसपेरेंट, सटीक और टेक्नोलॉजी-बेस्ड बनाने का फैसला किया गया है। खास बात यह है कि 15 लाख रुपये से ज़्यादा के डिफॉल्टर्स के खिलाफ सीज़, वारंट और नीलामी की कार्रवाई करने का साफ इशारा दिया गया है, जिससे बड़े टैक्स चोरों में डर का माहौल है।

उल्हासनगर मनपा प्रशासन ने शहर की आर्थिक आत्मनिर्भरता के लिए प्रोजेक्ट मंथन रेवेन्यू इम्प्रूवमेंट कैंपेन शुरू किया है। कमिश्नर द्वारा जारी सर्कुलर के मुताबिक, शहर में प्रॉपर्टीज़ की जियो-टैगिंग, डिजिटल मैपिंग और फिजिकल वेरिफिकेशन किया जाएगा। प्रॉपर्टी मालिकों के नाम, मोबाइल नंबर, पता और इस्तेमाल में गलतियों को तुरंत ठीक करने के आदेश दिए गए हैं। साथ ही, नई खोजी गई प्रॉपर्टीज़ को रोज़ाना रिकॉर्ड किया जाएगा और तुरंत टैक्स लगाया जाएगा।

महानगर पालिका ने प्रॉपर्टी टैक्स असेसमेंट प्रोसेस में भी बड़े बदलाव करने का फैसला किया है। ऐसी प्रॉपर्टीज़ पर खास नज़र रखी जाएगी जो हैं ही नहीं, नकली एंट्री, गलत एरिया या निवासी जगह का कमर्शियल इस्तेमाल। मोबाइल टावर, मिक्स्ड यूज़ और कमर्शियल प्रॉपर्टीज़ पर अलग से ध्यान दिया जाएगा। सभी टैक्स बिल 30 अप्रैल से पहले तैयार करके 15 मई तक खुद जाकर, WhatsApp, SMS और ईमेल से बांटने का आदेश दिया गया है। हर बिल पर QR कोड और ऑनलाइन पेमेंट की सुविधा दी जाएगी, जिससे लोग घर बैठे टैक्स भर सकेंगे।

तीन ग्रुप में बांटा गया

बकाया वसूलने के लिए महानगर पालिका ने बकाए को बड़े, मीडियम और छोटे बकाए में बांटा है। 15 लाख रुपये से ज़्यादा के बकाए के खिलाफ खास कैंपेन चलाया जाएगा, जिसमें पर्सनल कॉन्टैक्ट, नोटिस, वारंट प्रोसेस और ज़रूरत के हिसाब से ज़ब्ती और नीलामी की कार्रवाई की जाएगी।

चेक बाउंस होने पर तुरंत एक्शन..

चेक का पेमेंट न होने के मामलों में भी तुरंत एक्शन लेने के आदेश दिए गए हैं। इसके साथ ही, रेवेन्यू बढ़ाने के लिए प्रशासन ने रोज़ाना डैशबोर्ड, हफ़्ते के टारगेट और अधिकारियों और कर्मचारियों की पर्सनल ज़िम्मेदारी तय करके सख़्त रुख अपनाया है। प्रोजेक्ट मंथन रेवेन्यू इम्प्रूवमेंट मिशन के ज़रिए प्रॉपर्टी टैक्स सिस्टम को और ज़्यादा ट्रांसपेरेंट, सही और डिजिटल बनाया जाएगा। इसका मकसद हर प्रॉपर्टी की मैपिंग, सही टैक्स असेसमेंट और बकाया की असरदार रिकवरी के ज़रिए म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन को फाइनेंशियली मज़बूत बनाना है। अधिकारी और कर्मचारी ज़िम्मेदारी से काम करें और मिशन को सफल बनाएं।

- मनीषा अव्हाले, कमिश्नर,
उल्हासनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन

अवैध गांजा खेती का भंडाफोड़

मुंबई. भांडुप इलाके में अवैध रूप से उगाई जा रही गांजा खेती का बड़ा खुलासा हुआ है। जामिल नगर क्षेत्र में प्रशासन और स्थानीय प्रतिनिधियों ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए कथित तौर पर उगाए गए गांजा पौधों को नष्ट किया।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, इलाके में खाली जमीन और झाड़ियों के बीच बड़ी संख्या में संदिग्ध पौधे लगाए गए थे। सूचना मिलने के बाद स्थानीय प्रशासन, पुलिस और नगरसेवक की मौजूदगी में अभियान चलाया गया। अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर पौधों की जांच की और बाद में उन्हें नष्ट कर दिया।

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में कुछ लोग पौधों को काटते और हटाते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो वायरल होने के बाद इलाके में चर्चा तेज हो गई है।

यौन शोषण के आरोप में कराटे कोच गिरफ्तार

■ 9 साल की नाबालिग के साथ किया अश्लील बर्ताव

कल्याण. 9 साल की नाबालिग युवती के यौन शोषण के आरोप में कराटे कोच गिरीश वाघमारे (47) को कल्याण की महात्मा फुले पुलिस ने गिरफ्तार किया है। कराटे कोच वाघमारे घर में अकेला था। उसने पीड़िता को चेस्ट गार्ड दिखाने के बहाने घर बुलाया। आरोप है कि चेस्ट गार्ड लगाते समय कोच ने पीड़िता के साथ अश्लील बर्ताव किया। घटना 5 मई को घटी। पीड़िता ने घर जाकर परिजनों को इसके बारे में बताया। पीड़ित युवती की मां महात्मा फुले थाने पहुंची। नाबालिग युवती के यौन शोषण किए जाने को लेकर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने इस घटना का गंभीरता से संज्ञान लेते हुए कराटे कोच गिरीश वाघमारे पर मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया।

उल्हासनगर-3 रिजेंसी प्लॉज़ा के 27 अवैध गालों पर तोड़क कार्रवाई

अनधिकृत निर्माण ▶ शांतिनगर स्थित रिजेंसी प्लाजा मार्केट में अवैध दुकानों पर मनपा की कार्रवाई

■ शादी के हॉल स्काय डोम और स्काय गार्डन के भी अवैध निर्माण पर हो सकती है कार्रवाई

■ रिजेंसी प्लाजा में बड़ी मात्रा में हुआ है अवैध निर्माण

उल्हासनगर. मनपा के अतिक्रमण विभाग ने कैंप नंबर 3 स्थित रीजेंसी प्लाजा B विंग के 27 अनधिकृत गालों पर कार्रवाई करते हुए जमींदोज़ कर दिया. इसके साथ ही बगल में मौजूद 3.5 हजार स्क्वायर मीटर एरिया में बने 'स्काई डोम हॉल' के अवैध कंस्ट्रक्शन पर कब एक्शन होगा? यह सवाल उठ रहा है।

शांतिनगर में रीजेंसी प्लाजा B विंग में एक पूरी मंजिल पर अवैध कंस्ट्रक्शन की शिकायतों पर नोटिस जारी किए गए थे, लेकिन कोई एक्शन नहीं लिया गया। कमिश्नर मनीषा अव्हाले के सख्त रवैये के चलते अर्बन प्लानिंग डिपार्टमेंट ने असिस्टेंट कमिश्नर अजय साबले और अतिक्रमण विभाग के हेड गणेश शिंपी की टीम के साथ 27 गालों पर कार्रवाई की.

कंस्ट्रक्शन के लिए फिर नोटिस

अर्बन प्लानिंग डिपार्टमेंट को शिकायत मिली थी कि स्काई डोम हॉल में बिना परमिट के 3.5 हजार स्क्वायर मीटर का एक्स्ट्रा कंस्ट्रक्शन किया गया है। नोटिस के बाद कंस्ट्रक्शन पर थोड़ी कार्रवाई की गई। अर्बन प्लानिंग डिपार्टमेंट ने कंस्ट्रक्शन के लिए फिर नोटिस दिया है.

फ्लैट की बिक्री ज़ोरों पर

पता चला है कि कैंप नंबर 2 में स्पेक्ट्रम रेजीडेंसी बिल्डिंग सीधे सड़क की जगह पर कब्ज़ा कर रही है। हालांकि मनपा ने इस बिल्डिंग को नोटिस जारी किया है, लेकिन वहां फ्लैट की बिक्री ज़ोरों पर चल रही है। यहां की गई कार्रवाई को लेकर कन्फ्यूजन है।

ठाणे जिले में लड़कियों ने लहराया परचम

■ 10वीं का रिज़ल्ट 95.04 परसेंट

ठाणे. ठाणे जिले में इस साल क्लास 10 का रिजल्ट 95.04 परसेंट रहा है। पिछले साल के मुकाबले रिजल्ट में थोड़ी गिरावट आई है। पिछले साल जिले का रिजल्ट 95.57 परसेंट था। इस साल जिले में 1 लाख 11 हजार 322 स्टूडेंट्स ने क्लास 10 की परीक्षा दी थी। जिसमें से 1 लाख 5 हजार 408 स्टूडेंट्स पास हुए। इनमें से 52 हजार 45 लड़कियां पास हुई हैं, जबकि 53 हजार 363 लड़के पास हुए हैं। इस साल के रिजल्ट में लड़कियों का पास परसेंटेज 96.35 परसेंट और लड़कों का पास परसेंटेज 93.80 परसेंट है। इसलिए रिजल्ट से साफ है कि लड़कियों का पास परसेंटेज लड़कों से ज्यादा है। इस साल के क्लास 10 के रिज़ल्ट में मीरा-भायंदर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन एरिया से सबसे ज़्यादा 97.55 परसेंट स्टूडेंट्स पास हुए हैं। मीरा-भायंदर शहर से 10 हज़ार 219 स्टूडेंट्स ने क्लास 10 का एग्जाम दिया था। इनमें से 9 हज़ार 969 स्टूडेंट्स पास हुए हैं। इसमें 5,134 लड़के और 4,835 लड़कियां शामिल हैं।

पिछले हफ़्ते 12वीं के रिज़ल्ट अनाउंस होने के बाद स्टूडेंट्स और पेरेंट्स का ध्यान अब 10वीं के रिज़ल्ट पर था। शुक्रवार को रिज़ल्ट अनाउंस होते ही स्टूडेंट्स ने सेलिब्रेट किया और अपने अगले एकेडमिक सफ़र की तैयारी शुरू कर दी। इस साल ठाणे ज़िले से 1 लाख 11 हज़ार 322 स्टूडेंट्स ने 10वीं का एग्जाम दिया था। इनमें से 57 हज़ार 105 लड़के और 54 हज़ार 217 लड़कियां शामिल थीं। 57 हजार 105 लड़कों में से 53 हजार 363 लड़के और 52 हजार 45 लड़कियां पास हुई हैं, इसलिए इस साल भी लड़कियों के पास होने का प्रतिशत सबसे ज्यादा है।

शहर - तालुकानिहाय परिणाम (प्रतिशत)

शहर/तालुका	उत्तीर्ण लड़के	उत्तीर्ण लड़कियां	कुल
(महापालिकानिहाय)			
ठाणे	93.60	96.12	94.83
नवी मुंबई	95.28	97.35	96.27
मीरा-भाईंदर	96.81	98.35	97.55
कल्याण-डोंबिवली	95.63	97.12	96.35
उल्हासनगर	90.99	94.74	92.84
भिवंडी	90.30	95.73	93.11
(तालुकानिहाय्य)			
कल्याण	89.90	95.02	92.32
अंबरनाथ	95.15	96.96	96.02
भिवंडी	88.98	92.31	90.56
मुरबाड	91.38	94.11	92.69
शहापूर	92.73	95.58	94.12
कुल	93.80	96.35	95.04

उल्हासनगर का रिजल्ट 92.84%

■ 18 स्कूलों ने 100 परसेंट सफलता हासिल की

उल्हासनगर. उल्हासनगर शहर ने राज्य के 10वीं के रिजल्ट में इस साल भी अपनी शानदार सफलता की परंपरा को बनाए रखा है, और 92.84 परसेंट का शानदार रिजल्ट दर्ज किया है। खास बात यह है कि शहर के 18 स्कूलों ने 100 परसेंट रिजल्ट हासिल किया है, और 16 स्कूलों ने 90 परसेंट से ज़्यादा रिजल्ट हासिल किया है, जिससे स्टूडेंट्स, पेरेंट्स और टीचर्स में खुशी का माहौल है।

महाराष्ट्र स्टेट बोर्ड ऑफ़ सेकेंडरी एंड हायर सेकेंडरी एजुकेशन ने शुक्रवार को 10वीं के रिजल्ट घोषित किए। उल्हासनगर शहर से कुल 5,561 स्टूडेंट्स ने परीक्षा दी थी। इनमें से 5,163 स्टूडेंट्स पास हुए हैं, और शहर का कुल रिजल्ट 92.84 परसेंट रहा है। स्टूडेंट्स ने कड़ी मेहनत, टीचर्स के गाइडेंस और पेरेंट्स के सपोर्ट के दम पर यह शानदार सफलता हासिल की है।

शिक्षा विभाग ने बताया कि इस साल के रिजल्ट में लड़कियों ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन किया है, और लड़कों से ज़्यादा परसेंटेज हासिल किए हैं। शहर के कई स्कूलों में होनहार स्टूडेंट्स को सम्मानित किया गया और स्कूल कैंपस में खुशी का माहौल देखा गया। जैसे ही रिजल्ट घोषित हुए, स्टूडेंट्स ने एक-दूसरे को बधाई देकर जश्न मनाया। इसे उल्हासनगर की एजुकेशनल प्रोग्रेस की एक सफल तस्वीर माना जा रहा है और इसने एक बार फिर शहर की एजुकेशनल क्वालिटी में लगातार हो रही ग्रोथ को दिखाया है।

अंबरनाथ में 3.58 लाख का मादक पदार्थ जब्त

■ 2 के खिलाफ अपराध दर्ज

अंबरनाथ. अंबरनाथ पश्चिम सिद्धार्थ नगर में फिर एक बार पुलिस ने चरस या गांजा मादक पदार्थ बड़े पैमाने पर पकड़ कर दो पर अपराध दर्ज किया है. मादक पदार्थ की कीमत 3 लाख 58 हजार रुपए बताई गई है. पहले आरोपी का नाम फारुख शेख (20) निवासी वांद्रा पाड़ा और दूसरा आरोपी सिद्धार्थ नगर, अहलेहदीस मस्जिद के पास का निवासी इमराम सलीम शेख (36) है, जिसका ये सब माल है. इसी ने फारुख को ये पदार्थ बेचने लगाया और रकम भी अपने पास जमा कराया है. पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार आरोपियों ने स्वतः के फायदे के लिए प्रतिबंधित मादक पदार्थ बेचने के लिए लाया और इमरान सलीम शेख ने जिसकी सिद्धार्थ नगर में किराना दुकान अहले हदीस मस्जिद के पास है, ने मादक पदार्थ की रकम भी वसूल की. दोनों के खिलाफ पुलिस ने एनडीपीसी एक्ट 1985 के कलम 8 (क) 21 (ब) के अनुसार अपराध दर्ज किया है. विदित हो कि इसी सिद्धार्थ नगर परिसर से पुलिस ने 5 महिलाओं को चरस-गांजा बेचने के अपराध में गिरफ्तार किया था. इसी नगर से गांजा का बड़ा स्टॉक भी पिछले दिनों क्राइम ब्रांच पुलिस ने जब्त करके एक व्यक्ति को पकड़ा था. और अब दो के खिलाफ अपराध दर्ज हुआ है. जिसकी जांच पुलिस उप निरीक्षक अविनाश गायकवाड़ कर रहे हैं.

सुपरवाइज़र और BLO की ज़रूरी समीक्षा बैठक संपन्न

उल्हासनगर. उल्हासनगर मनपा आयुक्त, सब-डिवीज़नल ऑफिसर और तहसीलदार उल्हासनगर की गाइडेंस में सभी सुपरवाइज़र और BLO की एक ज़रूरी समीक्षा बैठक हुई।

इलेक्शन कमीशन ऑफ़ इंडिया के निर्देशों के मुताबिक, वोटर लिस्ट को ज़्यादा ट्रांसपेरेंट, सही और अचूक बनाने के मकसद से 'स्पेशल इंटेंसिव रिविज़न-SIR' अभी युद्ध स्तर पर लागू किया जा रहा है। इस कैंपेन का मुख्य मकसद वोटर लिस्ट में टेक्निकल और इंसानी गलतियों को पूरी तरह खत्म करना है। इस अभियान के अंतर्गत नियुक्त मतदान केंद्र स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) तथा केंद्रीय स्तरीय पर्यवेक्षकों के माध्यम से निम्नलिखित गतिविधियां की जा रही हैं:

1) **प्रोजेंसी मैपिंग:** मतदान केंद्रों की अद्यतन योजना, 2) **डीएसई सत्यापन:** जनसांख्यिकी रूप से समान प्रविष्टियों का सत्यापन, 3) **फोटो सुधार:** धुंधली तथा गैर-मानवीय फोटो बदलना, 3) **पीएसई सुधार:** एक ही व्यक्ति की दो बार फोटो वाली प्रविष्टियां खोजना (फोटो समान प्रविष्टियां)।

उक्त बैठक में सहायक चुनाव अधिकारी अजय साबले, गणेश शिंपी. विशाल कदम, मनीष हिवरे तथा नायब तहसीलदार कुमावर ने 'एसआईआर' अभियान का प्रतिशत बढ़ाने के लिए विस्तृत निर्देश दिए। सिर्फ निर्देश देने तक ही सीमित न रहकर, मैपिंग का प्रतिशत बढ़ाने के लिए उपस्थित सभी बीएलओ द्वारा उसी स्थान पर वास्तविक मैपिंग कार्य किया गया, ताकि यह अभियान निर्धारित समय में पूर्ण हो सके।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास लोकप्रिय हिंदी दैनिक

संपादकीय

आवारा कुत्तों को रोकने की जिम्मेदारी

पंजाब के होशियारपुर जिले के एक गांव में बुधवार को आवारा कुत्तों के एक बच्ची पर हमले की घटना ने एक बार फिर सभी को झकझोर दिया है। कुत्तों के झुंड ने बच्ची को उस समय नोच कर मार डाला, जब वह स्कूल जाने के लिए घर से निकली थी। सवाल है कि अगर इलाके में कुत्ते आक्रामक हो गए थे, तो समय रहते स्थानीय शासन ने क्यों नहीं ध्यान दिया। जबकि जोखिम बन गए कुत्तों को लेकर शीर्ष अदालत की ओर से स्पष्ट आदेश दिए जा चुके हैं। इसमें कोई दो राय नहीं कि लोगों की सुरक्षा सरकार की जिम्मेदारी है। मगर यह दायित्वबोध किसी भी स्तर पर नहीं दिखता।

पंजाब में जो हुआ, वह कोई अकेली घटना नहीं है। पहले भी इस तरह की कई घटनाएं हुई हैं। इन्हीं कारणों से लोगों का आक्रोश भी फूटा और हिंसक कुत्तों को निशाना बनाया गया। होशियारपुर जिले में आवारा कुत्तों का समूह हिंसक हो चुका है, तो उन्हें पकड़ने की जिम्मेदारी किसकी थी? समय रहते उनकी पहचान कर ली जाती और उन्हें आश्रय गृह में भेज दिया जाता, तो मासूम बच्ची की जान नहीं जाती।

यह एक विचित्र विडंबना है कि सर्वोच्च न्यायालय के दिशा-निर्देशों के बावजूद आवारा कुत्तों पर अंकुश लगाना सरकारी महकमों को जरूरी नहीं लगता है। अदालत में महीनों चली सुनवाई और उस पर आए निर्देशों के बाद भी आम लोगों, खासकर बच्चों की जान जोखिम में है।

देश भर में इस मुद्दे पर चिंता जताए जाने और मामले सुर्खियों में आने के बावजूद संबंधित विभागों और अधिकारियों का रवैया अब भी उदासीन दिखता है। रिहाइशी इलाकों से हिंसक कुत्तों को हटाने की कोई कवायद नहीं हो रही, तो इसे अब गंभीरता से लेना होगा।

अगर नगर निकाय और जिला प्रशासन निर्देशों की अवहेलना करेंगे, तो आखिर आम लोग कहां जाएंगे। निकायों से पूछा जाना चाहिए कि हिंसक हो गए कुत्तों को पकड़ने तथा उन्हें आश्रय गृहों में रखने की हिदायत दी गई थी, तो उसका पालन क्यों नहीं हुआ? आवारा कुत्ते आक्रामक हो रहे हैं, तो तत्काल कदम उठाए जाने चाहिए। नगर निकायों की जवाबदेही भी तय होनी चाहिए। इस दिशा में अब सभी स्तरों पर समन्वित प्रयास की जरूरत है।

विमर्श आतंक के खिलाफ निर्णायक प्रहार

रूस-यूक्रेन युद्ध के खत्म होने के कोई संकेत नहीं दिखने और पश्चिम एशिया के 'न युद्ध-न शांति' के दलदल में फंसे होने के बावजूद हाल के समय के दूसरे संघर्षों के मुकाबले आपरेशन सिंदूर को एक मानक अभियान के तौर पर देखना महत्वपूर्ण है। इस आपरेशन की सबसे खास बात थी-सैन्य ताकत का तीव्र और नियंत्रित तरीके से निर्णायक इस्तेमाल, ताकि संघर्ष-विस्तार में रहते हुए ऐसे रणनीतिक नतीजे हासिल किए जा सकें, जो सरकार के राजनीतिक लक्ष्यों के अनुरूप हों। इसका उद्देश्य था, पाकिस्तान के भारत-विरोधी आतंकी नेटवर्क के गढ़ पर सीधा हमला करना और अगर पाकिस्तानी सेना जवाब देती है, तो उसे भारी नुकसान पहुंचाना। यह एक जिम्मेदार ताकत द्वारा राज्य-प्रायोजित आतंकवाद के बार-बार दोहराए जाने वाले कृत्यों को सजा देने के लिए चलाया गया एक सटीक और संयमित प्रतिरोधी अभियान था।

हालांकि भारत ने 2019 में बालाकोट में आतंकरोधी अभियान में आक्रामक हवाई शक्ति के इस्तेमाल का प्रयोग किया था, पर इस बार जैश और लश्कर के मुख्यालयों पर हमले की तत्परता ने राष्ट्रीय हितों की पूर्ति के लिए जोखिम उठाने की नई प्रवृत्ति और संघर्ष बढ़ाने की इच्छाशक्ति को उजागर किया। इसमें यह सोच स्पष्ट थी कि एक व्यापक संघर्ष भारत के हित में नहीं है, भले ही पाकिस्तान को और अधिक नुकसान पहुंचाने का सैन्य प्रलोभन मौजूद हो।

भारत ने आपरेशन सिंदूर के दौरान कोई अतिरिक्त नुकसान नहीं होने दिया और सैन्य श्रेष्ठता के

बावजूद पाकिस्तान के युद्धविराम प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया। चार दिनों के भीतर ही संघर्ष समाप्त करने से जो सैकड़ों करोड़ रुपये की बचत हुई, उसने पश्चिम एशिया में चल रहे मौजूदा संघर्ष के दौरान भारत की आर्थिक सहनीयता में योगदान दिया। पश्चिम एशिया संघर्ष में अमेरिका के 27 अरब डालर से भी ज्यादा खप चुके हैं और तनाव अभी भी कायम है। आपरेशन सिंदूर की तैयारी के चरण में केंद्रीकृत नियंत्रण का एक स्पष्ट माडल देखने को मिला। इसके पहले स्तर पर प्रधानमंत्री, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और रक्षामंत्री थे, जबकि दूसरे पर सीडीएस और तीनों सैन्यप्रमुख। सेना प्रमुखों और खुफिया एजेंसियों को स्पष्ट और ठोस रणनीतिक परिणाम बताए गए थे। इससे उन्हें व्यावहारिक कार्ययोजना बनाने में मदद मिली।

भले ही हजारों सालों में युद्ध के स्वरूप में कई बदलाव आए हों, लेकिन कौटिल्य, सुन जू, क्लाजविट्ज, लिडेल हार्ट जैसे रणनीतिकारों द्वारा बताए गए युद्ध के अधिकांश मूल सिद्धांत समय की कसौटी पर खरे उतरे हैं। आपरेशन सिंदूर की सफलता ने प्रतिरोध करने की सीमाओं का विस्तार किया। भारत ऐसा इसलिए कर पाया, क्योंकि इसने समय की कसौटी पर खरे उतरे युद्ध के कुछ सिद्धांतों और संकट के समय फैसले लेने के तरीकों का पालन किया। वायु सेना के इस्तेमाल का फैसला एक साहसी कदम था, जो आज के संघर्षों के बदलते स्वरूप को दिखाता है और जिस पर बारीकी से विश्लेषण करने की जरूरत है। चीन से मिली पाकिस्तान की वायु रक्षा प्रणालियों को चकमा देने और उन्हें जाम करने के बाद भारत ने पाकिस्तान के अंदरूनी इलाकों में घुसकर हमला किया।

इस हमले में पाकिस्तान और गुलाम जम्मू-कश्मीर में मौजूद लश्कर, जैश और हिजबुल मुजाहिदीन के 9 आतंकी ठिकाने तबाह हो गए। कुछ ही घंटों के भीतर भारत ने अपने हमले का दायरा और बढ़ाया तथा नूर खान, सियालकोट, सरगोधा, स्कार्दू, भोलारी, जैकोबाबाद एयरबेस जैसे 11 प्रमुख सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया। इस कार्रवाई से पाकिस्तान की सामरिक क्षमताओं को गंभीर नुकसान पहुंचा। हवाई हमलों की तीव्रता से यह साफ हुआ कि पाकिस्तान को पहुंची क्षति 1971 के युद्ध में पश्चिमी मोर्चे पर वायुसेना द्वारा पाकिस्तानी वायु सेना के हवाई अड्डों को पहुंचाए गए कुल नुकसान से कहीं ज्यादा था।

ऑपरेशन सिंदूर ने भारत की एकीकृत हवाई रक्षा प्रणाली की परिपक्वता को भी साबित कर दिया, जो दुश्मन की मिसाइल और ड्रोन-केंद्रित रणनीति का मुकाबला करने में सक्षम है। हालांकि वायुसेना को भविष्य में अधिक शक्तिशाली दुश्मनों के खिलाफ किसी भी सीमित संघर्ष की स्थिति में अपने प्लेटफार्म, हथियारों और प्रणालियों का प्रभावी ढंग से इस्तेमाल करने के लिए तेज गति से सीखने की आवश्यकता होगी।

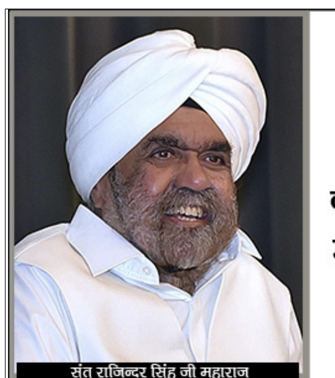

ध्यानाभ्यास के द्वारा जीवन के वो सभी रहस्य जो मानवता को उलझाए हुए हैं, सुलझ जाते हैं।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

नतीजों के बाद क्यों जल उठता है बंगाल?

पश्चिम बंगाल में चुनावों के दौरान और उसके बाद हिंसक घटनाओं का एक लंबा इतिहास रहा है। विडंबना यह है कि इस तरह की घटनाओं की निंदा तो सभी दल करते हैं, लेकिन उसे रोकने के लिए कुछ भी ऐसा नहीं किया जाता, ताकि हिंसा के हालात बनें ही नहीं।

गौरतलब है कि राज्य में इस बार विधानसभा के लिए हुए चुनावों के दौरान कोई बड़ी हिंसक घटना सामने नहीं आई, लेकिन नतीजे आने के बाद जैसी खबरें आ रही हैं, उससे साफ है कि हिंसा का सहारा लेने वाले असामाजिक तत्त्वों को रोकने के मद्देनजर एहतियातन कुछ भी नहीं किया गया। नतीजतन, बुधवार को राज्य में भाजपा के कद्दावर नेता शुभेंदु अधिकारी के सहायक सहित पांच लोगों की हत्या की खबर आई। इसके अलावा, कई लोग घायल भी हुए।

पहले से ही वहां इस बात की आशंका लगातार बनी हुई थी कि चुनाव प्रचार के दौरान आक्रामक खींचतान का असर नतीजों के बाद टकराव के तौर पर सामने आ सकता है। मगर ऐसी स्थितियों से निपटने में प्रशासनिक विफलता का ही यह नतीजा है कि राज्य में कई जगहों पर हिंसा और अराजकता के हालात पैदा हुए।

सवाल है कि आखिर किन वजहों से राज्य प्रशासन इस बात का आकलन

करने में नाकाम रहा कि चुनावी नतीजों के बाद मुख्य राजनीतिक पक्षों के बीच का तनाव हिंसा में भी फूट सकता है। चुनाव के दौरान बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की वजह से शांतिपूर्ण तरीके से मतदान संभव हो सका, तो क्या ऐसा बाद में भी नहीं हो सकता था?

राज्य के चुनावों में एक समय ऐसे तनाव और टकराव के पक्ष अलग थे, लेकिन वहां की सियासी तस्वीर में समय के साथ हुए बदलाव के बाद अब वहां के दो प्रतिद्वंद्वी दल मुख्य रूप से तृणमूल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी हैं। करीब पंद्रह वर्ष बाद वहां तृणमूल कांग्रेस के सत्ता से बाहर होने के बाद राज्य में कई जगहों पर सुरक्षा बलों की उपस्थिति के बावजूद हिंसक झड़प और तोड़फोड़ की घटनाएं सामने आईं।

प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक दलों के कार्यालयों में तोड़फोड़, आगजनी और उनके समर्थकों तथा कार्यकर्ताओं के घरों तक पर हमले की खबरें यह बताती हैं कि राजनीतिक दलों के बीच अपने विरोधियों के प्रति लोकतांत्रिक उदारता दिखाने की औपचारिकता भी खत्म होती जा रही है। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि हिंसक घटनाओं के दो सौ से ज्यादा प्राथमिकी दर्ज की गईं और करीब साढ़े चार सौ लोगों को गिरफ्तार किया गया। मगर जो काम पुलिस और प्रशासन ने स्थिति बेलगाम हो जाने के बाद किया, अगर पहले ऐसे कदम उठाए जाते, तो शायद कई जगहों पर हिंसा को रोका जा सकता था।

यह समझना मुश्किल है कि जो लोग नाहक या फिर प्रतिक्रिया के तौर पर हिंसक गतिविधियों का सहारा लेते हैं, वे आखिर क्या हासिल करना चाहते हैं। फिर आक्रामकता और अराजकता का सहारा लेकर ऐसे लोग क्या साबित करना चाहते हैं?

यह ध्यान रखने की जरूरत है कि लोकतांत्रिक परंपराओं में विश्वास रखने वाला कोई भी व्यक्ति चुनावी नतीजों का विश्लेषण करता है और परिपक्व तरीके से उस पर सभ्य प्रतिक्रिया देता है। अफसोस की बात यह है कि राजनीतिक दलों और उनके शीर्ष नेतृत्व की ओर से अपने समर्थकों को नियंत्रित रखने और लोकतांत्रिक तरीके से विरोध या समर्थन जाहिर करने को लेकर शायद ही कभी कोई संदेश जारी किया जाता है। वहीं स्थानीय प्रशासन भी पूर्वसावधानी के तौर पर ऐसे ठोस कदम नहीं उठाता, जिससे अराजकता को शुरू होने से पहले रोका जा सके।

साइकिल से ही 8 देशों की यात्रा कर पहुंच गया हज

जरा हट के

कहते हैं कि जब आप किसी चीज को अपने मन में ठान लेते हैं तो उसे हर हाल में पूरा किया जा सकता है. इस बात को सच कर दिखाया है महराजगंज जिले के सिसवा क्षेत्र के चैनपुर के रहने वाले गुफरान अंसारी ने, जिन्होंने अपनी अनोखी यात्रा से लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा है. महराजगंज के इस युवा ने अपनी साइकिल यात्रा से न सिर्फ देश-विदेश की यात्रा की है, बल्कि अन्य दूसरों के लिए एक प्रेरणा स्त्रोत भी बने हैं. गुफरान अंसारी ने साइकिल से यात्रा करते हुए हज की यात्रा की है.

उन्होंने साइकिल से हज यात्रा कर एक अलग और अनोखी मिसाल पेश की है. गुफरान ने साइकिल चलाते हुए सिर्फ एक नहीं, बल्कि आठ देशों का सफर साइकिल से पूरा किया है, जो एक बहुत ही मुश्किल सा काम लगता है. उनकी यात्रा दिखाता है कि

सफर चाहे कितना लंबा और कठिन हो, लेकिन हौंसले बुलंद हो तो किसी भी लक्ष्य को आसानी से पूरा किया जा सकता है. उन्होंने इस यात्रा के दौरान आने वाली कठिनाइयों से मुंह नहीं मोड़ा, बल्कि परिस्थितियों से लड़ा और इस सफर को पूरा किया. गुफरान की यह यात्रा सिर्फ एक धार्मिक यात्रा तक समिति नहीं है, बल्कि हजारों लोगों के लिए प्रेरणा का विषय है, जो देश-विदेश की यात्रा करने की सोच रहे हैं और किसी कारणवश वह शुरू नहीं कर पा रहे हैं.

यात्रा के दौरान कठिन परिस्थितियों का किया सामना

गुफरान अंसारी बताते हैं कि साइकिल से इस तरह की हजारों किलोमीटर की दूरी तय करना कोई आसान काम नहीं है, लेकिन सही उद्देश्य के साथ शुरू किया गया सफर पूरा किया जा सकता है. यात्रा के दौरान मौसम की मार, रास्तों की कठिनाइयां और शारीरिक थकान जैसी बहुत सी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है. इसके बावजूद भी गुफरान ने हार नहीं मानी, बल्कि अपने इस साइकिल यात्रा को जारी रखा और उसे पूरा किया. उन्होंने अलग-अलग देश की यात्रा करते हुए हज की यात्रा भी पूरी की, जो उनके लिए खास अनुभव रहा.

ठंडाई मसाला

इस मसाले को बनाने के लिए आपको आपकी रसोई और आस-पास के बाजार में आसानी से मिलने वाली इन चीजों की जरूरत होगी:

सामग्री

- बादाम - आधा कप
- काजू - एक चौथाई कप
- पिस्ता - एक चौथाई कप
- खरबूजे के बीज - 2 बड़े चम्मच
- खसखस - 2 बड़े चम्मच
- सौंफ - 2 बड़े चम्मच
- काली मिर्च - 1 बड़ा चम्मच
- हरी इलायची - 10 से 15
- सूखी गुलाब की पंखुड़ियां - 2 बड़े चम्मच (यह ठंडाई को एक शाही खुशबू देती है)
- केसर - 15-20 धागे
- जायफल - एक चुटकी पाउडर

विधि

बाजार जैसा परफेक्ट मसाला तैयार करने के लिए बस इन आसान स्टेप्स को फॉलो करें:

सबसे पहले सभी मेवों (बादाम, काजू, पिस्ता), बीजों और सौंफ को एक पैन में डालकर बिल्कुल धीमी आंच पर 1-2 मिनट के लिए हल्का सा भून लें। ध्यान रहे, इनका रंग नहीं बदलना चाहिए, बस इनकी नमी निकल जानी चाहिए ताकि मसाला लंबे समय तक खराब न हो।

फिर, हल्का भूनने के बाद इन्हें एक प्लेट में निकाल लें और पूरी तरह से ठंडा होने दें। अब एक साफ और सूखा मिक्सी का जार लें। उसमें ये भुने हुए मेवे, खसखस, काली मिर्च, हरी इलायची, गुलाब की पंखुड़ियां, केसर और जायफल डाल दें।

मिक्सी को एक साथ लगातार न चलाएं, बल्कि 'पल्स मोड' पर चलाएं। लगातार चलाने से मेवे अपना तेल छोड़ देंगे और आपका मसाला पाउडर की बजाय चिपचिपा पेस्ट बन जाएगा।

जब सब कुछ अच्छे से पिसकर एक बारीक या हल्का दरदरा पाउडर बन जाए, तो इसे एक एयरटाइट कांच के जार में भरकर रख लें। आप इसे फ्रिज में रखकर 2 से 3 महीने तक आराम से इस्तेमाल कर सकते हैं।

गर्भावस्था में मोटापे से रहें दूर

गर्भावस्था के दौरान महिलाओं का खास ध्यान रखा जाता है, क्योंकि उनकी सेहत का असर बच्चे पर भी पड़ता है। अब ताजा अध्ययन में पता चला है कि जो महिलाएं गर्भावस्था के दौरान मोटापे का शिकार होती हैं, उनके बेटों (बेटियां नहीं) का आईक्यू कमजोर हो सकता है। यानी बुद्धिमान बच्चा चाहती हैं तो प्रेग्नंसी के दौरान खुद को मोटापे से दूर रखें। कोलंबिया यूनिवर्सिटी मेलमैन स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ और टैक्सस यूनिवर्सिटी, ऑस्टिन का यह शोध 'बीएमसी पीडियाट्रिक्स' जर्नल में प्रकाशित हुआ है।

गर्भावस्था में अहम होता है वजन

गर्भावस्था के दौरान महिला का वजन बहुत अहम होता है। ज्यादा वजन या बहुत कम वजन, दोनों स्थितियां नुकसानदायक होती हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, अगर महिला की लंबाई 155 सेमी है तो वजन 55 किलो होना चाहिए। इस प्रकार वजन को संतुलित रख कर समस्याओं से बचा जा सकता है। वजन बढ़ने के कारण गर्भपात का खतरा बढ़ जाता है। अधिक वजन के कारण कई बार आईवीएफ ट्रीटमेंट में भी परेशानी आती है। गर्भावस्था में तनाव बहुत भारी पड़ सकता है और जिन महिलाओं का वजन ज्यादा होता है, वे ज्यादा तनाव ग्रस्त होती हैं।

वजन कंट्रोल करने के लिए क्या करें

गर्भावस्था के दौरान अच्छे खानपान के साथ ही वजन पर कंट्रोल भी जरूरी है। अपने मन से कोई फैसला न करें। डॉक्टर की सलाह लें। वजन को बढ़ने से रोकना है तो जितना संभव हो, एक्टिव रहें। हल्के योगासन, प्राणायाम व अन्य व्यायाम करते रहें। अपने डॉक्टर की सलाह का पूरा ध्यान रखते हुए अपनी क्षमता के अनुसार व्यायाम करें। धीमी शुरुआत करें और जब भी जरूरत महसूस हो, बीच में आराम कर लें। गर्भावस्था के दौरान व्यायाम के कई फायदे हैं और यह शरीर को प्रसव के लिए तैयार करने में मदद करता है।

शोधकर्ताओं ने 368 महिलाओं और उनके बच्चों का अध्ययन किया। ये सभी समान आर्थिक परिस्थितियों वाले परिवार थे। अध्ययन गर्भावस्था से शुरू होकर बच्चे के 3 से 7 वर्ष का होने तक जारी रहा। 3 साल की उम्र में शोधकर्ताओं ने बच्चों की जांच की और उनकी सीखने की क्षमता को परखा। उन्होंने पाया कि गर्भावस्था के दौरान मां के मोटापे का लड़कों के सीखने की क्षमता से सीधा संबंध है। 7 साल की उम्र में उन्होंने फिर से जांच की और पाया कि जिन लड़कों की माताएं अधिक वजन वाली थीं या गर्भावस्था के दौरान मोटापे से ग्रस्त थीं, उनकी बुद्धिमत्ता (आईक्यू) कम है। शोध की सबसे दिलचस्प बात यह है कि मां के मोटापे का लड़कियों की दिमागी क्षमता पर कोई असर नहीं पाया गया।

आज का राशिफल

मेष : व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल लाभ देगी। लाभ के मौके बार-बार प्राप्त होंगे। विवेक का प्रयोग करें। बेकार बातों में समय नष्ट न करें। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में तरक्की के योग हैं। व्यापार की गति बढ़ेगी। लाभ में वृद्धि होगी। प्रमाद न करें। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे।

वृषभ : कोई बड़ी समस्या से सामना हो सकता है। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। किसी विशेष क्षेत्र में सामाजिक कार्य करने की इच्छा रहेगी। प्रभाव क्षेत्र में वृद्धि होगी। निवेश शुभ रहेगा। कोई पुरानी व्याधि परेशानी का कारण बनेगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे।

मिथुन : व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। दूसरों के काम में हस्तक्षेप न करें। चोट व रोग से बचें। सेहत का ध्यान रखें। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। लाभ में वृद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। कोर्ट व कचहरी के अटके कामों में अनुकूलता आएगी।

कर्क : जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। ऐसा कोई कार्य न करें जिससे बाद में पछताना पड़े। जोखिम न लें। बोलचाल में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। प्रतिद्वंद्विता कम होगी। शत्रु सक्रिय रहेंगे।

सिंह : व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। भाग्य का साथ रहेगा। सभी काम पूर्ण होंगे। जल्दबाजी न करें। कोर्ट व कचहरी में लंबित कार्य पूरे होंगे। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा।

कन्या : संचित कोष में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। शेयर मार्केट में सोच-समझकर निवेश करें। संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। झंझटों से दूर रहें। घर-बाहर प्रसन्नता बनी रहेगी। रोजगार में वृद्धि तथा बेरोजगारी दूर होगी। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे।

तुला : विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। व्यापार मनोनुकूल रहेगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य खराब हो सकता है। प्रमाद न करें। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। यात्रा लाभदायक रहेगी।

वृश्चिक : प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में कमी रह सकती है। दु:खद समाचार की प्राप्ति संभव है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। काम में मन नहीं लगेगा। बेवजह विवाद की स्थिति बन सकती है। दूसरों के उकसाने में न आकर महत्वपूर्ण निर्णय स्वयं लें, लाभ होगा।

धनु : कुंआरों को वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। प्रयास सफल रहेंगे। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में उन्नति होगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। प्रमाद न करें। जल्दबाजी में कोई काम न करें। पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है। कोई आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

मकर : व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। कारोबार में मनोनुकूल लाभ होगा। प्रमाद न करें। किसी भी निर्णय को लेने में जल्दबाजी न करें। भ्रम की स्थिति बन सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। थकान व कमजोरी महसूस होगी।

कुंभ : घर-बाहर सहयोग प्राप्त होगा। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है। बेरोजगारी दूर होगी। अचानक कहीं से लाभ के आसार नजर आ सकते हैं। किसी बड़ी समस्या से निजात मिलेगी। निवेश व नौकरी मनोनुकूल लाभ देंगे। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। मस्तिष्क पीड़ा हो सकती है।

मीन : चिंता तथा तनाव रहेंगे। बेवजह कहासुनी हो सकती है। जोखिम न लें। आंखों को चोट व रोग से बचाएं। हल्की हंसी-मजाक किसी से भी न करें। नकारात्मकता रहेगी। अकारण क्रोध होगा। फालतू खर्च होगा। कीमती वस्तु गुम हो सकती है। पुराना रोग उभर सकता है। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

सुबह बिस्तर से उठते ही पिएं मेथी का पानी

- शुगर का है रामबाण इलाज
- 5 फायदे जानकर दंग रह जाएंगे आप

आपके किचन में रखे कई ऐसे मसाले होते हैं, जो सेहत के लिए बेहद फायदेमंद होते हैं. अगर इन मसालों का सही तरह से उपयोग किया जाए तो ये सेहत को कई तरह से लाभ पहुंचा सकते हैं. उन्ही में से एक है मेथी. इसके सेवन से कई बीमारियों से छुटकारा पाया जा सकता है. रोजाना सुबह मेथी पानी पीने से पाचन शक्ति मजबूत होती है. आइए जानते हैं मेथी पानी के स्वास्थ्य पर होने होने वाले फायदों के बारे में.

हेल्थलाइन में छपी एक खबर के मुताबिक, मेथी का कई तरह से उपयोग किया जा सकता है.यह सेहत को कई स्वास्थ्य लाभ देने वाली जड़ी बूटी है. मेथी के बीज में कई पोषक तत्व पाए जाते हैं. इसमें आयरन, मैंगनीज सहित फाइबर और खनिजों की अच्छी मात्रा होती है.मेथी दाने का पानी सुबह खाली पेट पीना ज्यादा फायदेमंद होता है. इसके लिए रात में मेथी के दानों को एक गिलास साफ पानी में भरकर रख दें. सुबह होने पर उस पानी को अच्छे से छानकर खाली पेट पी लें. आप चाहें तो मेथी दानों को भी खा सकते हैं. यह शरीर में मौजूद विषाक्त पदार्थों को बाहर कर देगी.

डायबिटीज को करे कंट्रोल

खाली पेट मेथी दाना का पानी पीने से शुगर कंट्रोल रहता है. मेथी, ब्लड में मौजूद ग्लूकोज लेवल को कम करता है, जिसके कारण डायबिटीज में काफी फायदा मिलता है.

डायबिटीज से पीड़ित लोग नियमित सुबह मेथी दाना के पानी का सेवन कर सकते हैं.

हार्ट के लिए फायदेमंद

मेथी पानी हार्ट के लिए बेहद लाभकारी होता है. इसमें हाइपोकोलेस्ट्रॉलेमिक तत्व पाया जाता है, जो कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल रहता है, जिससे हार्ट हेल्दी रहता है. इसके सेवन से खून का संचार भी अच्छा रहता है. आप भी सेहतमंद रहने के लिए रोजाना मेथी पानी का सेवन कर सकते हैं.

वजन कम करे

मेथी दाना में फाइबर पाया जाता है जो भोजन को पचाने में मददगार है. रोजाना सुबह मेथी पानी पीने से भूख काम लगती है. इसका सेवन वजन को कम करता है.

पाचन मजबूत करे

मेथी पानी के नियमित सेवन से पाचनतंत्र मजबूत होता है. जिन लोगों को अपच या कब्ज की शिकायत रहती है उनके लिए मेथी का पानी बेहद फायदेमंद है. मेथी में मौजूद पाचक एंजाइम अग्नाशय को अधिक क्रियाशील बनाता है, जिससे पाचन क्रिया अच्छी रहती है.

कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित रखे

आप रोजाना सुबह खाली पेट मेथी दाना का पानी पिएं तो आपके शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल की समस्या ठीक हो सकती है. एक महीने तक मेथी दाना का पानी नियमित रूप से सेवन किया जाए तो शरीर में एच डी एल यानी अच्छा कोलेस्ट्रॉल बढ़ने की उम्मीद रहती है.

हर्बल टी से पाएं तुरंत ताजगी और थकान गायब

मध्य प्रदेश के सीधी जिले में इन दिनों वन उत्पादन केंद्र की बुंदेली हर्बल चाय लोगों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रही है. गर्मी के मौसम में लोग अब पारंपरिक चाय और ठंडे पेय पदार्थों की जगह प्राकृतिक और स्वास्थ्यवर्धक विकल्पों की ओर रुख कर रहे हैं.

ऐसे में तुलसी, अदरक, दालचीनी, लौंग, काली मिर्च, अर्जुन छाल और सौंफ जैसी औषधीय जड़ी-बूटियों से तैयार यह हर्बल चाय लोगों को स्वाद के साथ सेहत का लाभ भी दे रही है.

हर्बल कैफे की कर्मचारी अनुप्रिया कुशवाहा ने बताया कि बुंदेली हर्बल चाय बघेलखंड क्षेत्र की पारंपरिक औषधीय जड़ी-बूटियों से बनाई जाती है. इसमें अर्जुन छाल, तुलसी, दालचीनी और सौंफ जैसे तत्व शामिल होते हैं, जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मदद करते हैं. यह चाय पाचन तंत्र को मजबूत करने, हृदय स्वास्थ्य बेहतर बनाने और वजन नियंत्रित रखने में भी सहायक मानी जाती है.

इस हर्बल चाय का निर्माण ग्राम तिलवानी की राज लक्ष्मी बंधन स्व-सहायता समूह की महिलाएं कर रही हैं. इस पहल से गांव की महिलाओं को रोजगार मिलने के साथ आत्मनिर्भर बनने का अवसर भी मिल रहा है. महिलाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध जड़ी-बूटियों को एकत्र कर पारंपरिक विधि से चाय तैयार कर रही हैं. इससे स्थानीय उत्पादों को पहचान मिलने के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिल रही है.

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ. आरपी परौहा के अनुसार हर्बल चाय शरीर में बढ़े कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करने, एसिडिटी कम करने और शरीर को डिटॉक्स करने में मदद करती है. विशेष रूप से अर्जुन छाल से बनी चाय हृदय को मजबूत करने के लिए उपयोगी मानी जाती है. उन्होंने बताया कि इसे बनाने के लिए एक कप पानी में लगभग एक ग्राम हर्बल मिश्रण डालकर उबालना चाहिए. इसके बाद छानकर इसमें गुड़ या देसी खांड मिलाकर सेवन किया जा सकता है. प्राकृतिक स्वाद और सुगंध से भरपूर यह चाय गर्मियों में लोगों को ताजगी और स्वास्थ्य दोनों प्रदान कर रही है.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

बीएससी छात्रा को नशा दे किया बेहोश, लॉज में ले जाकर रेप; छात्रनेता समेत 4 पर केस

पडरौना. उत्तर प्रदेश के पडरौना शहर की बीएससी की एक छात्रा को नशीला पदार्थ खिलाकर एक लॉज में ले जा कर दुष्कर्म करने का मामला प्रकाश में आया है। छात्रा को जब होश आया तो उसके शरीर पर कपड़े नहीं थे। शरीर पर कुछ चोटों के निशान थे। इसके बाद छात्रा को अश्लील वीडियो के नाम पर ब्लैकमेल भी किया गया। शिकायत पर पहुंची पुलिस ने छात्र नेता समेत चार के खिलाफ केस दर्ज किया है।

पुलिस मामले की जांच-पड़ताल में जुटी है। पडरौना कस्बे के एक वार्ड की रहने वाली बीएससी की इस छात्रा ने पुलिस को दिए तहरीर में आरोप लगाया है कि कुछ दिन पहले छात्र नेता धवन जायसवाल ने बहला फुसला कर एक लॉज में ले गया। इसके बाद पेय पदार्थ में नशीला पदार्थ मिला कर बेहोश कर दुष्कर्म किया। इतना ही नहीं छात्रा के होश आने पर उसके शरीर पर वस्त्र नहीं थे, जबकि शरीर पर चोट के निशान थे।

गंगा एक्सप्रेस वे के पास तमंचा दिखाकर दिनदहाड़े लूट से मचा हड़कंप

रायबरेली. ऊंचाहार में दिन दहाड़े बाईक सवार के साथ लूट होने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। ऊंचाहार और सलोन कोतवाली क्षेत्र के बॉर्डर स्थित गंगा एक्सप्रेसवे के पास बेखौफ बदमाशों ने लूट की एक सनसनीखेज वारदात को अंजाम दिया है। सूचना पर पहुंची डायल पुलिस जांच पड़ताल कर रही है। गंगश्री निवासी आशिष पांडेय (राज), पुत्र श्रीकांत पांडेय, अपने घर से दूसरे निवास उमरन की ओर जा रहे थे, तभी आरोप है कि तीन अज्ञात बदमाशों ने उन्हें रास्ते में घेर लिया।

बदमाशों ने असलहे और ताकत के दम पर आशीष से 10 हजार रुपये नकद और सोने की चेन लूट ली। विरोध करने पर पीड़ित को जान से मारने की धमकी देते हुए आरोपी मौके से फरार हो गए। घटना की गंभीरता को देखते हुए पीड़ित ने तत्काल 112 नंबर पर पुलिस को सूचना दी।

चचेरे भाई ने गला रेत कर की हत्या

बिसवां के शहरी सराय में चचेरे भाई ने अल्तमश (12) की गला रेत कर हत्या कर दी। इसके बाद शव बेड के नीचे डाल कर दो बक्शा लगाकर छिपा दिया। इसके बाद घर पर ताला लगाकर वह भाग गया। पीड़ित के पिता की तहरीर पर बिसवां पुलिस चचेरे भाई के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश में दबिश दे रही है।

बिसवा के शहरी सरायं निवासी हमीद का बेटा अल्तमश (12) कक्षा चार में पढ़ता था। अल्तमश शुक्रवार शाम को अचानक घर से लापता हो गया। आसपास व रिश्तेदारों के यहां खोजबीन की पर अल्तमश का कुछ पता नहीं चला।

सुवेंदु बंगाल में भाजपा के पहले मुख्यमंत्री

- दिलीप घोष समेत 5 मंत्री बने
- PM मोदी का घुटनों के बल बैठकर जनता को प्रणाम

कोलकाता. सुवेंदु अधिकारी शनिवार को पश्चिम बंगाल में BJP के पहले मुख्यमंत्री बन गए हैं। सुवेंदु ने बांग्ला में ईश्वर के नाम की शपथ ली। शपथ के बाद सुवेंदु, पीएम के पास गए और उन्हें झुककर प्रणाम किया। बंगाल के गवर्नर आरएन रवि ने सुवेंदु के अलावा 5 और विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाई। इनमें दिलीप घोष, अग्निमित्रा पॉल, अशोक कीर्तनिया, क्षुदीराम टूडू और निषिथ प्रमाणिक शामिल रहे।

शपथ में PM मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, NDA और BJP शासित राज्यों के 20 मुख्यमंत्री मौजूद रहे। कार्यक्रम में सबसे पहले मोदी ने मंच पर रवींद्रनाथ टैगोर को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान पीएम ने भाजपा के 98 साल के कार्यकर्ता माखनलाल सरकार का सम्मान किया। मंच पर आते ही प्रधानमंत्री सीधे सरकार के पास गए, उन्हें शॉल ओढ़ाया और फिर उनके पैर छुए।

गडकरी बोले- बंगाल में BJP की विचारधारा को पहचान मिली; विकास होगा

- केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने शनिवार को नागपुर में कहा कि पश्चिम बंगाल में BJP की शानदार जीत दिखाती है कि पार्टी की विचारधारा को अब वहां के लोगों के बीच पहचान मिल गई है ।राज्य में सत्ता परिवर्तन बंगाल के विकास का रास्ता बनाएगा।
- सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री गडकरी पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री के रूप में सुवेंदु अधिकारी के शपथ समारोह में शामिल होने से पहले एजेंसी से बात कर रहे थे।
- BJP ने हाल ही में हुए चुनावों में 294 सदस्यों वाली पश्चिम बंगाल विधानसभा में 207 सीटें हासिल कीं, जिससे तृणमूल कांग्रेस (TMC) का 15 साल का शासन खत्म हो गया और पूर्वी भारत में उसकी सबसे बड़ी सफलता की कहानी लिखी। भवानीपुर विधानसभा सीट पर TMC सुप्रीमो ममता बनर्जी को हराने वाले सुवेंदु अधिकारी ने शनिवार को पश्चिम बंगाल के पहले BJP मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली।

कपड़े पर खाना गिरने को लेकर बारात में बवाल, युवक की हत्या

गोरखपुर. गोरखपुर के शाहपुर थाना क्षेत्र के बिछिया स्थित एक मैरिज लॉन में बारात के दौरान मामूली विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। खाने के दौरान कपड़े पर भोजन गिरने को लेकर शुरू हुई कहासुनी के बाद कुछ युवकों ने एक युवक के पेट में चाकू घोंप दिया।

गंभीर हालत में उसे बीआरडी मेडिकल कॉलेज के नेहरू अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। शाहपुर इलाके के आवास विकास कॉलोनी स्थित पानी टंकी के पास रहने वाले युवक की बारात बिछिया के ताड़ीखाना इलाके स्थित बघेल मैरिज लॉन में आई थी। रात में बाराती भोजन कर रहे थे। इसी दौरान कपड़े पर भोजन गिरने को लेकर कुछ युवकों के बीच विवाद शुरू हो गया।

शुभेंदु के CM बनते ही शेख हसीना ने दी बधाई

कोलकाता. भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी पश्चिम बंगाल के नए मुख्यमंत्री बन गए हैं। शनिवार को शुभेंदु ने सीएम पद की शपथ ली। बंगाल के इतिहास में पहली बार भाजपा की सरकार बनी है। इस पर बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और अवामी लीग की अध्यक्ष शेख हसीना ने भी शुभेंदु को बधाई दी और उम्मीद जताई कि अधिकारी के नेतृत्व में बंगाल का विकास और तेज गति से होगा।

शेख हसीना के शुभेंदु को बधाई संदेश देने वाला पत्र भी सामने आया है। पत्र में कहा गया है कि बांग्लादेश अवामी लीग की अध्यक्षा और पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने आज, पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में भाजपा की निर्णायक जीत के बाद, शुभेंदु अधिकारी को अपनी हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं।

अपने संदेश में, उन्होंने पश्चिम बंगाल के नव-निर्वाचित मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी और उनके मंत्रिमंडल के सभी सदस्यों के अच्छे स्वास्थ्य और सफलता की कामना की। शेख हसीना ने आशा व्यक्त की कि उनके (अधिकारी) सक्षम नेतृत्व में, पश्चिम बंगाल का विकास और अधिक गति पकड़ेगा.

मोदी ने 98 साल के कार्यकर्ता के पैर छुए

- योगी ने सुवेंदु को गमछा ओढ़ाया
- मोदी ने 98 साल के कार्यकर्ता के पैर छुए
- योगी ने सुवेंदु को गमछा ओढ़ाया

पश्चिम बंगाल में BJP की पहली सरकार बन गई। सुवेंदु अधिकारी ने शनिवार को CM पद की शपथ ली। शपथ से पहले PM नरेंद्र मोदी और सुवेंदु ने रोड शो किया। समारोह में मोदी ने पार्टी के कार्यकर्ता के पैर छुए। वहीं, योगी आदित्यनाथ ने सुवेंदु को गेरुआ गमछा ओढ़ाया। शपथ समारोह के आखिर में PM मोदी ने मंच से परेड ग्राउंड में मौजूद लोगों को धन्यवाद किया। इस दौरान वे घुटनों के बल बैठे और जनता को प्रणाम किया।

सुवेंदु अधिकारी ने बांग्ला में ईश्वर के नाम पर शपथ ली। शपथ के बाद वे PM मोदी के पास गए और झुककर प्रणाम किया। पीएम मोदी ने उनकी पीठ थपथपाकर शुभकामनाएं दीं।

सुवेंदु अधिकारी ने शपथ लेने के बाद मंच पर मौजूद सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों का अभिवादन किया। इस दौरान यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने उन्हें गेरुआ गमछा ओढ़ाया।

पहली बार विधायक बने क्षुदीराम टुडू आदिवासी पोशाक में शपथ लेने पहुंचे। उन्होंने गले में BJP का गमछा और सिर पर पीला गमछा बांध रखा था। पेशे से शिक्षक रहे क्षुदीराम रानीबांध सीट से पहली बार विधायक बने हैं।

शपथ ग्रहण से पहले मंच पर PM मोदी ने पश्चिम बंगाल BJP के सबसे बुजुर्ग कार्यकर्ताओं में से एक माखनलाल सरकार के पैर छुए। 98 साल के माखनलाल सरकार 1952 में श्यामा प्रसाद मुखर्जी के साथ कश्मीर में तिरंगा फहराने गए थे, जहां आंदोलन के दौरान उन्हें गिरफ्तार किया गया था।

पीएम मोदी ने परेड ग्राउंड में रोड शो किया। वे ग्राउंड की एंट्री से मंच तक एक खास रूप से बनाए गए रथ में गए। इस दौरान भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष समिक और सुवेंदु अधिकारी भी मौजूद थे। उस वक्त ग्राउंड पर करीब 1 लाख लोग मौजूद थे।

बच्चे गुमराह हो रहे मीलॉर्ड...

- बिना मान्यता चल रहे धार्मिक संस्थानों पर सवाल
- सुप्रीम कोर्ट करेगा सुनवाई

नई दिल्ली. देशभर में 14 साल से कम उम्र के बच्चों को पढ़ाने या धार्मिक शिक्षा देने वाले गैर मान्यता प्राप्त संस्थानों को लेकर विवाद अब देश की सबसे बड़ी अदालत

पहुंच गया है। इस बाबत सुप्रीम कोर्ट में अहम सुनवाई होने जा रहा है। अदालत 11 मई को उस जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुनवाई करेगी जिसमें मांग की गई है कि ऐसे सभी संस्थानों का रजिस्ट्रेशन, मान्यता और निगरानी अनिवार्य की जाए। यह मामला ऐसे समय सामने आया है जब कई इलाकों में बिना मान्यता वाले संस्थानों के संचालन को लेकर सवाल उठ रहे हैं। याचिका में कहा गया है कि बच्चों की कम उम्र और समझ को देखते हुए राज्य की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है।

दो जजों की बेंच करेगी सुनवाई

पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की बेंच इस मामले की सुनवाई कर सकती है। यह जनहित याचिका वकील अश्विनी कुमार उपाध्याय की तरफ से दायर की गई है, जिसे अधिवक्ता अश्वनी दुबे के जरिए सुप्रीम कोर्ट में पेश किया गया। याचिका में अदालत से अपील की गई है कि देशभर में बच्चों को धर्मनिरपेक्ष शिक्षा या धार्मिक शिक्षा देने वाले सभी संस्थानों को कानूनी दायरे में लाया जाए।

संविधान के कई अनुच्छेदों का दिया गया हवाला

याचिका में संविधान के अनुच्छेद 21ए, 39(एफ), 45 और 51-ए(के) का हवाला दिया गया है। इसमें कहा गया है कि बच्चों को सुरक्षित और बेहतर शिक्षा देना राज्य की जिम्मेदारी है। याचिकाकर्ता ने मांग की है कि अदालत केंद्र और राज्यों को निर्देश दे कि वे ऐसे सभी संस्थानों को रजिस्टर करें, उनकी पहचान तय करें और समय-समय पर उनकी निगरानी करें।

अनुच्छेद 30 को लेकर भी उठाया सवाल

याचिका में संविधान के अनुच्छेद 30 को लेकर भी व्याख्या मांगी गई है। इसमें कहा गया है कि अल्पसंख्यकों को दिए गए अधिकार अनुच्छेद 19(1)(जी) से अलग कोई अतिरिक्त विशेषाधिकार नहीं देते। याचिका में अदालत से यह भी घोषित करने की मांग की गई है कि अनुच्छेद 30 केवल अनुच्छेद 19(1)(जी) का विस्तार है और उससे अतिरिक्त अधिकार नहीं मिलते।

ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया प्रोफाइल बदला

- पूर्व सीएम की जगह 15वीं, 16वीं,17वीं विधानसभा का सीएम और तृणमूल कांग्रेस का फाउंडर लिखा

कोलकाता. पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बदलते ही पूर्व सीएम ममता बनर्जी ने शनिवार को सोशल मीडिया प्रोफाइल बदल दिया। उन्होंने बायो में लिखा, 'फाउंडर चेयरपर्सन ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस और 15वीं,16वीं,17वीं विधानसभा की मुख्यमंत्री। इससे पहले उनके बायो में फाउंडर चेयरपर्सन ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस, ऑनरेबल चीफ मिनिस्टर, वेस्ट बंगाल लिखा था।

बंगाल विधानसभा चुनाव में हार के बावजूद ममता ने मुख्यमंत्री पद छोड़ने के इनकार कर दिया। ममता ने इस्तीफा नहीं दिया। 7 मई को पश्चिम

बंगाल की 17वीं विधानसभा का कार्यकाल खत्म हो गया है। इसके बाद राज्यपाल आरएन रवि ने विधानसभा भंग कर दी थी

टीएमसी 15 साल सत्ता में रही

2021 में 17वीं विधानसभा का चुनाव जीतकर ममता बनर्जी तीसरी बार मुख्यमंत्री बनीं थीं। वे 2011 से लगातार सत्ता में रहीं। हालांकि, अप्रैल 2026 में हुए विधानसभा चुनाव में उन्हें करारी हार का सामना करना पड़ा है। ममता बनर्जी को भी भवानीपुर सीट पर हार का सामना करना पड़ा।

भाजपा को मिली है बड़ी जीत

विधानसभा चुनाव में भाजपा ने कुल 293 विधानसभा सीटों में से 207 सीटें जीतीं। जबकि तृणमूल 80 सीटों तक ही सिमट गई। बंगाल में भाजपा ने 293 में से 206 सीटें जीतकर करीब 70% का स्ट्राइक रेट हासिल किया। वहीं, TMC 81 सीटों पर सिमट गई और उसका स्ट्राइक रेट करीब 27.6% रहा।

तमिलनाडु में किसे समर्थन देगी एक सीट वाली भाजपा?

चेन्नई. तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद भारतीय जनता पार्टी (BJP) ने राज्य में सरकार गठन को लेकर अपना रुख बिल्कुल साफ कर दिया है। तमिलनाडु बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन ने शुक्रवार को स्पष्ट किया कि उनकी पार्टी ने चुनाव परिणामों को शालीनता से स्वीकार कर लिया है। साथ भगवा पार्टी ने फैसला किया है कि वह राज्य में सरकार बनाने के किसी भी प्रयास का ना तो हिस्सा बनेगी और ना ही किसी भी दल को अपना समर्थन देगी।

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन ने न्यूज एजेंसी एएनआई से बात करते हुए पार्टी के भविष्य के कदमों पर भी

स्थिति स्पष्ट की। इस चुनाव में बीजेपी को केवल एक सीट पर जीत हासिल हुई है। नागेंद्रन ने कहा कि बीजेपी पूरे उत्साह के साथ तमिलनाडु के लोगों के कल्याण और विकास के उद्देश्य से चुनावी मैदान में उतरी थी। उन्होंने स्वीकार किया कि जनता ने बीजेपी को सरकार बनाने का जनादेश नहीं दिया है।

तटस्थ रहने का फैसला: बीजेपी ने स्पष्ट किया है कि वे नई सरकार के गठन के किसी भी प्रयास में सक्रिय भागीदारी नहीं करेंगे और सरकार बनाने की कोशिश कर रही किसी भी पार्टी को अपना वोट नहीं देंगे। पार्टी ने एक आधिकारिक पत्र जारी करके भी अपनी हार को पूरे दिल से स्वीकार किया है और दोहराया है कि तमिलनाडु बीजेपी सरकार गठन की किसी भी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष प्रक्रिया से खुद को पूरी तरह दूर रखेगी। पार्टी का स्टैंड साफ करते हुए उन्होंने कहा, ₹हम लोगों को यह भी सूचित करना चाहते हैं कि हम सरकार बनाने के प्रयासों में शामिल किसी भी पार्टी के समर्थन में अपना वोट नहीं देंगे।₹

सुप्रीम कोर्ट बोला- मंत्री शाह को ऐसे कमेंट्स की आदत

- कर्नल सोफिया मामले में एमपी सरकार को फटकार
- कहा- बहुत हुआ, आदेश का पालन करें

नई दिल्ली. सेना की महिला अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी पर आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में मध्य प्रदेश के कैबिनेट मंत्री कुंवर विजय शाह की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं।

शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में अभियोजन स्वीकृति देने में हो रही देरी पर राज्य सरकार को फटकार लगाई।

चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत ने कड़े शब्दों में कहा- Enough is enough (बस बहुत हुआ), अब हमारे आदेश का पालन कीजिए।

कोर्ट ने कहा- यह सिर्फ दुर्भाग्यपूर्ण नहीं, बल्कि बेहद दुर्भाग्यपूर्ण था

सुनवाई के दौरान जब सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने मंत्री का बचाव करते हुए कहा कि शायद उनके बयान को गलत समझा गया और वे महिला अधिकारी की प्रशंसा करना चाहते थे तो सीजेआई सूर्यकांत ने इसे सिरे से खारिज कर दिया।

उन्होंने कहा- यह सिर्फ दुर्भाग्यपूर्ण नहीं, बल्कि बेहद दुर्भाग्यपूर्ण था। एक राजनेता के तौर पर उन्हें अच्छी तरह पता है कि किसी महिला अधिकारी की प्रशंसा कैसे की जाती है। कोर्ट ने SIT की स्टेटस रिपोर्ट का हवाला देते हुए टिप्पणी की कि मंत्री को इस तरह के कमेंट करने की आदत है।

इंदौर के पास रायकुंडा गांव में दिया था विवाद बयान

यह विवाद पिछले साल भारत की ओर से पाकिस्तान के खिलाफ की गई क्रॉस-बॉर्डर सैन्य कार्रवाई ऑपरेशन सिंदूर के बाद शुरू हुआ था। कर्नल सोफिया कुरैशी ने इस ऑपरेशन की मीडिया ब्रीफिंग की थी। इसके बाद महू के रायकुंडा गांव में एक कार्यक्रम के दौरान मंत्री विजय शाह ने कहा था, "जिन्होंने हमारी बेटियों को विधवा किया, हमने उन्हें सबक सिखाने के लिए उनकी ही एक बहन को भेजा।"

इस बयान को कर्नल कुरैशी के धर्म से जोड़कर देखा गया, जिसकी हर तरफ निंदा हुई।

दिल्ली प्लेऑफ की रेस से लगभग बाहर

कोलकाता ने पीछे छोड़ा

दिल्ली कैपिटल्स को IPL 2026 में 7वीं हार मिली। शुक्रवार को कोलकाता नाइट राइडर्स ने उसे 8 विकेट से हराया। इस हार से दिल्ली प्लेऑफ की रेस से लगभग बाहर हो गई है। दूसरी ओर कोलकाता ने अपनी उम्मीदें कायम रखी हैं। अरुण जेटली स्टेडियम में कोलकाता ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। दिल्ली ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 142 रन बनाए। कोलकाता ने 143 रन का टारगेट 14.2 ओवर में 2 विकेट पर हासिल कर लिया। फिन एलन ने नाबाद 100 रन बनाए।

कोलकाता की लगातार चौथी जीत

IPL 2026 में कोलकाता ने लगातार चौथी जीत हासिल की। कैपिटल्स को सीजन में सातवीं हार मिली है।
कोलकाता के 10 मैचों में 9 अंक हैं। टीम ने 4 मैच जीते और 5 गंवाए हैं। टीम की प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीद कायम है। हालांकि, उसे बाकी सभी मैच बड़े अंतर से जीतने होंगे। साथ ही अन्य टीमों के प्रदर्शन पर भी निर्भर रहना होगा।
दिल्ली 11 में से सिर्फ 4 मैच जीत सकी है। टीम के पास 8 अंक हैं और अब वह अधिकतम 14 अंक तक पहुंच सकती है। पिछले चार IPL सीजन में सिर्फ एक बार कोई टीम 14 अंक लेकर प्लेऑफ में पहुंची है। ऐसा 2024 सीजन में हुआ था। 2022, 2023 और 2025 में चौथे प्लेऑफ की सभी टीमों ने कम से कम 16 पॉइंट्स हासिल किए थे।

ED रेड के बाद AAP के मंत्री अरोड़ा गिरफ्तार

- केजरीवाल बोले- पीएम मोदी पार्टी तोड़ने में लगे
- 100 करोड़ की फर्जी खरीद का आरोप

चंडीगढ़. पंजाब में आम आदमी पार्टी (AAP) सरकार के मंत्री संजीव अरोड़ा पर शनिवार को ED ने रेड की। सूत्रों के अनुसार, रेड के वक्त वह चंडीगढ़ में अपनी सरकारी कोठी पर ही थे, यहां से उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया गया है। हालांकि इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई।

रेड चंडीगढ़ में उनके सरकारी घर, दिल्ली और गुरुग्राम के ठिकानों में हुई है। चंडीगढ़ के सेक्टर-2 में ED टीम की 15 गाड़ियां एक साथ पहुंची और पूरा घर लिया। इसके बाद बाहर CRPF के जवान तैनात कर दिए गए। किसी को भी घर के अंदर जाने या बाहर आने की अनुमति नहीं दी जा रही है।

संजीव अरोड़ा पर साल में तीसरी और महीने में दूसरी बार ED ने रेड की है। ED सोर्सेज के मुताबिक 4 ठिकानों पर सर्च ऑपरेशन चल रहा है। इसमें सरकारी घर के साथ हैंपटन स्काई रियलिटी लिमिटेड के ऑफिस पर भी रेड हुई है।

अरविंद केजरीवाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि मोदी राज में एजेंसियों का इस्तेमाल किया जा रहा है। पंजाब के लोगों के साथ पीएम मोदी धक्का कर रहे हैं। ईडी को पार्टी तोड़ने में लगाया है, किसी मनी लॉन्ड्रिंग को पकड़ने के लिए नहीं। उधर, CM भगवंत मान ने कहा, पंजाब की तरफ आंख उठाकर मत देखना, पंजाबी आंखें निकाल देंगे। ED रेड का मकसद ब्लैक मनी पकड़ना नहीं बल्कि भाजपा जॉइन कराना है। कुछ दिन पहले अशोक मित्तल के घर रेड की। 2 दिन रेड चली, तीसरे दिन मित्तल ने भाजपा जॉइन कर ली।

सीएम ने कहा- BJP का असली मतलब भारत जलाओ पार्टी है। मोदी जी को अब तक एक ही बार झुकना पड़ा, एक ही बार यूटर्न लेकर माफी मांगनी पड़ी। तब भी पंजाब ने ही कृषि कानूनों पर झुकाया।

मान गए राज्यपाल! आज सीएम पद की शपथ लेंगे विजय

अभिनेता से राजनेता बने थलपति विजय तमिलनाडु के अगले मुख्यमंत्री होंगे। राज्यपाल ने शनिवार को 'तमिलगा वेत्री कड़गम' (TVK) प्रमुख विजय को सरकार बनाने का न्योता दे दिया। सूत्रों के मुताबिक, तमिलनाडु के मनोनीत मुख्यमंत्री और TVK प्रमुख सी. जोसेफ विजय कल दोपहर 3.15 बजे शपथ लेंगे। इससे पहले तमिलनाडु में नई सरकार के गठन को लेकर अनिश्चितता की स्थिति आखिरकार शनिवार को खत्म हो गई। वीसीके और आईयूएमएल ने विजय को 'बिना शर्त समर्थन' दिया, जिससे तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) ने 234 सदस्यीय विधानसभा में

साधारण बहुमत के लिए जरूरी संख्या बल अब हासिल कर लिया है। सहयोगी दलों के समर्थन के बाद, विजय ने राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर से मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद लोक भवन सूत्रों ने कहा कि कांग्रेस, CPI, CPI(M), VCK और IUML के समर्थन से अब 121 विधायक TVK के समर्थन में हैं और राज्य में सरकार बनाने का उसका रास्ता अब साफ हो गया है।

किसने दिया विजय को समर्थन?

थोल थिरुमावलवन के नेतृत्व वाली विदुथलाई चिरुथाइगल काची (वीसीके) ने आखिरकार विजय को समर्थन दे दिया। पार्टी के दो विधायक हैं। लंबे समय से वाम दलों की सहयोगी रही वीसीके ने पहले ही घोषणा की थी कि उसका निर्णय वामपंथी पार्टियों के रुख के अनुरूप रहेगा। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) ने शुक्रवार को विजय को अपना समर्थन देने की घोषणा की थी। दोनों वाम दलों के दो-दो विधायक हैं।

विजय का समर्थन करने से जुड़े वीसीके के निर्णय के कुछ ही देर बाद, द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के एक और सहयोगी इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) ने भी टीवीके को समर्थन दे दिया। आईयूएमएल के दो विधायक हैं। वीसीके और आईयूएमएल के समर्थन से टीवीके के पास संख्या बल बढ़कर 121 हो गया, जो तमिलनाडु की 234 सदस्यीय विधानसभा में साधारण बहुमत के लिए आवश्यक 118 सीटों से दो अधिक है।

बहुमत का गणित और TVK की स्थिति

विधानसभा की स्थितिः तमिलनाडु विधानसभा में कुल 234 सीटें हैं, जिसमें सरकार बनाने के लिए 118 सीटों (बहुमत) की आवश्यकता होती है।

बिहार में बिजली-पेड़ गिरने से 9 लोगों की मौत

उत्तर प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान में शुक्रवार को बारिश के साथ ओले गिरे। वहीं मध्य भारत में फिर से तेज गर्मी पड़ने लगी है।

बिहार के पटना समेत 7 जिलों में शुक्रवार को तेज आंधी के साथ बारिश हुई। पेड़ और बिजली गिरने से 9 लोगों की मौत हो गई। सबसे ज्यादा 5 मौत राजधानी पटना में हुईं। आंधी में 600 से ज्यादा पेड़ भी गिर गए।

उत्तर प्रदेश के आगरा और जालौन में बारिश हुई। मऊ में ओले भी गिरे। शनिवार को 17 जिलों में आंधी-बारिश और बिजली गिरने का अलर्ट है। राजस्थान का बाड़मेर देश में सबसे गर्म रहा। यहां तापमान 44.6°C दर्ज किया गया।

संक्षेप...

मीरा-भायंदर में ड्रग सिंडिकेट पर बड़ी कार्रवाई

- 13.61 करोड़ की MD ड्रग्स जब्त

मुंबई. मीरा-भायंदर इलाके में पुलिस ने बड़ी ड्रग्स कार्रवाई करते हुए एक अंतरराज्यीय ड्रग सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया है। MBVV पुलिस ने छापेमारी के दौरान करीब 13.61 करोड़ मूल्य की MD ड्रग्स जब्त की है।

पुलिस के अनुसार, क्राइम ब्रांच को गुप्त सूचना मिली थी कि इलाके में बड़े पैमाने पर सिंथेटिक ड्रग्स की सप्लाई की जा रही है। इसके बाद विशेष टीम गठित कर निगरानी शुरू की गई। जांच के दौरान संदिग्धों की गतिविधियों पर नजर रखकर छापा मारा गया, जहां से भारी मात्रा में मेफेड्रोन (MD) बरामद हुआ।

कार्रवाई के दौरान पुलिस ने कई आरोपियों को हिरासत में लिया है। अधिकारियों का कहना है कि यह गिरोह मुंबई महानगर क्षेत्र और आसपास के शहरों में ड्रग्स सप्लाई करने में सक्रिय था। पुलिस अब इस नेटवर्क के अन्य सदस्यों और सप्लाई चैन की जांच कर रही है।

केडीएमसी के टिटवाला स्थित प्रसूति गृह में सोनोग्राफी के नाम पर निजी ठेकेदार द्वारा लूट

कल्याण. कल्याण डोंबिवली महानगरपालिका के टिटवाला स्थित रुक्मिणी प्लाज़ा प्रसूति गृह का संचालन आउटसोर्सिंग पद्धति से एक निजी ठेकेदार के माध्यम से किया जा रहा है। वहां गर्भवती महिलाओं से सोनोग्राफी के लिए निर्धारित 400 रुपये के बजाय 800 से 900 रुपये तक वसूले जा रहे हैं। स्वास्थ्य सेवा के नाम पर ठेकेदार द्वारा लूट किए जाने का गंभीर आरोप भाजपा नगरसेविका उपेक्षा भोईर ने लगाया है। शुक्रवार को हुई स्थायी समिति की बैठक में नगरसेविका भोईर ने यह मुद्दा उठाया। भाजपा नगरसेवक मंदार हल्बे ने मांग की कि यदि निजी ठेकेदार इस प्रकार की लूट कर रहा है तो इसकी जांच कराई जाए। इस पर सभापति मल्लेश शेट्टी ने प्रशासन को मामले की जांच कर समिति की अगली बैठक में रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

टिटवाला स्थित रुक्मिणी प्लाज़ा प्रसूति गृह में वेस्टर्न हेल्थ कंसल्टेंसी कंपनी को प्रतिदिन 3 हजार रुपये के दर से मानव संसाधन उपलब्ध कराने, प्रयोगशाला जांच करने तथा सोनोग्राफी के लिए 400 रुपये शुल्क लेने के कार्य हेतु तीन महीने की अवधि बढ़ाने का प्रस्ताव स्थायी समिति के समक्ष मंजूरी के लिए रखा गया था। निविदा प्रक्रिया पूरी न होने के कारण यह अवधि बढ़ाने का प्रस्ताव लाया गया था। इस पर नगरसेविका भोईर ने कड़ा विरोध जताया।

सोनोग्राफी के लिए निर्धारित शुल्क से अधिक हो रही वसूली-

उपेक्षा भोईर ने आरोप लगाया कि प्रसूति गृह में महिलाओं से सोनोग्राफी के लिए 400 रुपये के बजाय 800 से 900 रुपये तक लिए जाते हैं। यहां केवल महानगरपालिका क्षेत्र की महिलाएं ही नहीं बल्कि आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाएं भी इलाज के लिए आती हैं। महानगरपालिका क्षेत्र के बाहर से आने वाली ग्रामीण महिलाओं से सोनोग्राफी के लिए 2400 रुपये तक वसूले जाते हैं। जबकि वास्तविकता यह है कि गर्भवती महिला की पहली दो सोनोग्राफी मुफ्त होनी चाहिए और उसके बाद की सोनोग्राफी के लिए केवल 400 रुपये ही लिए जाने चाहिए। लेकिन ठेकेदार गर्भवती महिलाओं से मनमाने तरीके से अधिक पैसे वसूल रहा है।

विरोध के बाद विषय हुआ स्थगित

भोईर के आरोपों को गंभीर बताते हुए नगरसेवक मंदार हल्बे ने प्रशासन का ध्यान इस ओर दिलाया कि निजी ठेकेदार केडीएमसी का नाम इस्तेमाल कर अपना फायदा कर रहा है, और इसका आर्थिक बोझ प्रसूति गृह में इलाज के लिए आने वाली सामान्य गर्भवती महिलाओं पर पड़ रहा है। इसी कारण समिति ने इस विषय को फिलहाल स्थगित कर दिया है।

मामले की होगी जांच

इस मामले में स्वास्थ्य विभाग के उपायुक्त ने जानकारी दी कि टिटवाला का यह प्रसूति गृह 50 बेड की क्षमता वाला है। यहां पिछले वर्ष 371 महिलाओं की सिजेरियन डिलीवरी हुई, जबकि 817 महिलाओं की सामान्य प्रसूति कराई गई। कुल 3 हजार 229 महिलाओं ने सोनोग्राफी सुविधा का लाभ लिया है। उन्होंने बताया कि गर्भवती महिलाओं की पहली दो सोनोग्राफी के लिए महानगरपालिका ठेकेदार को प्रति सोनोग्राफी 400 रुपये के हिसाब से कुल 800 रुपये देती है। इसके बाद की सोनोग्राफी के लिए सीएसआर दर के अनुसार 400 रुपये ही लिए जाने चाहिए। यदि ठेकेदार अधिक पैसे वसूल रहा है तो यह गंभीर मामला है। इसकी जांच कर रिपोर्ट स्थायी समिति के सामने प्रस्तुत की जाएगी।

ठाणे मनपा का 10वीं का रिजल्ट 78.55%

- महापौर पिंपलोलकर और आयुक्त सौरभ राव ने स्टूडेंट्स को बधाई दी

ठाणे. मनपा सेकेंडरी स्कूलों के मार्च 2026 के SSC एग्जाम का ओवरऑल रिजल्ट 78.55 परसेंट रहा है। कॉर्पोरेशन के 23 सेकेंडरी स्कूलों से कुल 1424 स्टूडेंट्स 10 वीं क्लास में थे। जिनमें से कुल 1408 स्टूडेंट्स ने एग्जाम दिया था। जिनमें से 1106 स्टूडेंट्स पास हुए हैं। जबकि तीन स्कूलों, बालकुम के स्कूल नंबर 4, किसननगर के स्कूल नंबर 15, सावरकरनगर के स्कूल नंबर 16 का रिजल्ट 100 परसेंट रहा है।

मेयर शर्मिला पिंपलोलकर, मनपा कमिश्नर सौरभ राव ने सभी सफल स्टूडेंट्स को बधाई दी है।ठाणे मनपा के मराठी मीडियम का रिजल्ट 74.05 परसेंट, उर्दू मीडियम का 80.96 परसेंट, इंग्लिश मीडियम का 90.90 परसेंट और हिंदी मीडियम का 68.18 परसेंट रहा है। जबकि नाइट स्कूल (मराठी) का रिजल्ट 64.70 परसेंट रहा है।

ठाणे मनपा स्कूलों के टॉप पांच स्टूडेंट्स

स्कूल नंबर 5 की आयुषी युवराज पाटिल ने 449 मार्क्स लाकर 89 .80 परसेंट के साथ पहली पोजीशन हासिल की। स्कूल नंबर 15 के हर्ष विनोद यादव और स्कूल नंबर 8 की मंतशा अंदलिप अब्दुल मोमिन खान ने 448 मार्क्स लाकर 89 .60 परसेंट के साथ दूसरी पोजीशन हासिल की। स्कूल नंबर 15 के प्रतीक महेंद्र पवार ने 447 मार्क्स लाकर 89 .40 परसेंट के साथ चौथी पोजीशन हासिल की। जबकि स्कूल नंबर 15 की दीक्षिता सुरेश माली और ओम प्रभुनाथ यादव ने 443 मार्क्स लाकर 88 .20 परसेंट के साथ पांचवीं पोजीशन हासिल की।एडिशनल कमिश्नर 1 संदीप मालवी, एडिशनल कमिश्नर 2 प्रशांत रोडे, डिप्टी कमिश्नर (एजुकेशन) डॉ. मिताली संचेती ने सभी सफल स्टूडेंट्स को बधाई दी और टीचर्स और पेरेंट्स की भी तारीफ की।

साइकिलिंग हेल्थ और एजुकेशन के लिए 'एक नई दिशा'

- अतिरिक्त पुलिस आयुक्त ने साइक्लोएज्यु इनिशिएटिव की तारीफ़ की

ठाणे. शहरी इलाकों में बढ़ते ट्रैफिक जाम, बिज़ी लाइफस्टाइल और एक्सरसाइज़ को नज़रअंदाज़ करने के लिए साइकिलिंग एक असरदार ऑप्शन हो सकता है। ठाणे शहर के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त डॉ. ज्ञानेश्वर चव्हाण ने राय दी कि साइकिल एक बहुत काम का टूल है, खासकर दूर-दराज के आदिवासी इलाकों में स्टूडेंट्स, महिलाओं और सीनियर सिटिज़न्स के लिए।साइकिल प्रेमी फाउंडेशन के 'साइकिलिंग एजुकेशन' इनिशिएटिव की तारीफ़ करते हुए, ठाणे शहर के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त डॉ. ज्ञानेश्वर चव्हाण ने साइकिलिंग के सोशल, एजुकेशनल और हेल्थ इंपॉर्टेंस पर ज़ोर दिया।उन्होंने कहा कि शहरों में गाड़ियों की बढ़ती संख्या के कारण ट्रैफिक जाम की समस्या गंभीर होती जा रही है। रोज़मर्रा की भागदौड़ भरी ज़िंदगी में, लोगों को अपनी हेल्थ पर ध्यान देने के लिए काफ़ी समय नहीं मिलता। ऐसे में, हेल्थ बनाए रखने और रोज़ाना के छोटे-बड़े कामों को पूरा करने के लिए साइकिल का इस्तेमाल एक अच्छा ऑप्शन हो सकता है। उन्होंने ग्रामीण और दूर-दराज के इलाकों में साइकिल की इंपॉर्टेंस ज़्यादा बताते हुए आदिवासी गांवों, बस्तियों और दूर-दराज की बस्तियों का ज़िक्र किया। उन्होंने कहा, "जिन इलाकों में दूसरी गाड़ियां आसानी से नहीं पहुंच पातीं, वहां साइकिल स्टूडेंट्स, महिलाओं और सीनियर सिटिज़न के लिए बहुत काम का टूल है। यह रोज़मर्रा की ज़िंदगी को आसान और ज़्यादा मज़ेदार बनाने में मदद करती है।" उन्होंने कहा कि आमी साइकिल प्रेमी फाउंडेशन का 'साइक्लोएडू' इनिशिएटिव बहुत तारीफ़ के काबिल है और उन्हें यकीन है कि इस इनिशिएटिव से स्कूल स्टूडेंट्स को बहुत फ़ायदा होगा। उन्होंने इस इनिशिएटिव के लिए आमी साइकिल प्रेमी फाउंडेशन को बधाई दी और समाज के ज़्यादा से ज़्यादा लोगों से ऐसे सोशल और एजुकेशनल इनिशिएटिव में सहयोग करने की अपील की। आमी साइकिल प्रेमी फाउंडेशन के 'प्रोजेक्ट साइक्लोएडू' के चौथे फ़ेज़ का पोस्टर, जो दूर-दराज़ के आदिवासी इलाकों के स्टूडेंट्स को एजुकेशन की मेनस्ट्रीम में लाने का काम कर रहा है, डॉ. चव्हाण ने लॉन्च किया।

इस मौके पर ऑर्गनाइज़ेशन की फ़ाउंडर प्रेसिडेंट प्रज्ञा म्हात्रे, दुर्गा गोरे, अनिकेत गद्रे, काशीनाथ गायकवाड़, अमोल कुलकर्णी, सागर महादिक मौजूद थे। इस साल का इनिशिएटिव शाहपुर तालुका के गुंडे गांव के चैतन्य विद्यालय में लागू किया जाएगा। ज्ञान प्रकाश शिक्षण संस्था का चैतन्य विद्यालय, वाडा (पालघर ज़िला) दूर-दराज़ के आदिवासी इलाकों में चल रहा है, और यहाँ पढ़ने वाले स्टूडेंट्स को स्कूल पहुँचने में बहुत दिक्कतें होती हैं। साइकिल प्रेमी फ़ाउंडेशन के एक सर्वे में स्टूडेंट्स के आने-जाने में गंभीर दिक्कतें सामने आई हैं।इस प्रोजेक्ट के तहत, मुरबाड़ तहसील के वेलुक, खेड़ और शाहपुर तहसील के वाल्शेड, भीतरवाड़ी और कोथाची वाडी जैसे दूर-दराज़ के इलाकों में स्कूल आने वाले 50 स्टूडेंट्स को साइकिलें दी जाएँगी। साथ ही, क्लास V से X तक के 350 स्टूडेंट्स को पढ़ाई का सामान भी बाँटा जाएगा।

दो नाबालिग लड़कियां लापता

भिवंडी. शहर के दो अलग-अलग इलाकों से नाबालिग लड़कियों के किडनैप होने की घटनाएं सामने आई हैं। इस मामले में दो पुलिस स्टेशनों में अनजान लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पहली घटना में, शहर पुलिस स्टेशन के तहत नवी वस्ती इलाके की एक 17 साल की लड़की 3 मई को सुबह करीब 11:30 बजे बिना किसी को बताए घर से निकल गई और वापस घर नहीं लौटी। इसलिए, शहर पुलिस स्टेशन में किसी अनजान व्यक्ति के खिलाफ शक के आधार पर केस दर्ज किया गया है कि कोई अनजान उसे बहला-फुसलाकर ले गया है। इसी तरह, दूसरी घटना में, कोनगांव पुलिस स्टेशन के तहत राजनोली इलाके की एक 15 साल की लड़की 5 मई को सुबह 8 बजे घर से निकली और देर रात तक घर नहीं लौटी। इस मामले में, उसके परिवार की शिकायत पर कोंगांव पुलिस स्टेशन में अनजान व्यक्ति के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

आम सूचना

हम मिस प्रतिक्षा महादेव तवाते व श्रीमती मिताली महादेव तवाते सभी को सूचित कर रहे हैं कि फ्लैट नं. 402, चौथा माला, गोविंद अपार्टमेंट, ब्लॉक नं. ए-517, रुम नं. 1034, उल्हासनगर- 4 (टैक्स नं. 40सीओ009104200) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती प्रियंका श्रीपद देशपांडे के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 7.5.2026 द्वारा हमने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद हम अपने नाम करवाना चाहते हैं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
मिस प्रतिक्षा महादेव तवाते व श्रीमती मिताली महादेव तवाते

घाटकोपर में 12 लाख का गुटखा जब्त

मुंबई. पुलिस ने गुटखा तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए घाटकोपर पूर्व इलाके में प्रतिबंधित तंबाकू उत्पादों की बड़ी खेप जब्त की है। पंत नगर पुलिस ने एक टेम्पो से करीब ₹12 लाख मूल्य का गुटखा और अन्य प्रतिबंधित तंबाकू सामग्री बरामद की।

पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई 6 मई की सुबह घाटकोपर-अंधेरी लिंक रोड पर की गई। पंत नगर पुलिस स्टेशन के अधिकारियों को गुप्त सूचना मिली थी कि एक वाहन के जरिए बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित गुटखा ले जाया जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने जाल बिछाकर टेम्पो को रोका और तलाशी ली।

भिवंडी वराला तालाब पर गंदगी का साम्राज्य

- कामत घर गांव वालों की कब्ज़ा करने की चेतावनी

भिवंडी. शहर के टूरिस्ट एरिया के तौर पर पहचाना जाने वाले वराला तालाब भिवंडी शहर को 5 MLT पानी सप्लाई करता है. इस तालाब की हालत खराब है और मनपा प्रशासन इस पर ध्यान नहीं दे रहा है. इसलिए कामत घर के ग्रामीण वराला तालाब पर कब्जा कर लेंगे, ऐसी चेतावनी आम सभा में स्थानीय नगरसेवक मनोज काटकर ने महासभा में दी है.

वराला देवी मंदिर के बगल वाली तालाब एक धार्मिक जगह है और 1965 से इस झील से 2 MLT पानी सप्लाई हो रहा था। इसे बढ़ाकर 5 MLT पानी कर दिया गया था। लेकिन पानी में बहुत ज़्यादा गंदगी होने की वजह से, नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (NGT) ने यहां के पानी को पीने लायक नहीं बताया है और पानी देना बंद कर दिया है। पूरे तालाब के पानी में हरापन फैल गया है, जिससे बदबू आ रही है। ऐसे में मनपा प्रशासन पानी की सफाई को नजरअंदाज कर रहा है.

इसलिए स्थानीय नगरसेवक शिवसेना शिंदे ग्रुप के नेता मनोज काटेकर ने आम सभा में यह मुद्दा उठाया और चेतावनी दी कि अगर मनपा ने झील की अनदेखी की तो कामतघर के गांववाले इस पर कब्जा कर लेंगे। जिले की कोई भी मनपा अपनी झील से पानी की सप्लाई नहीं करती है, लेकिन भिवंडी मनपा ही अकेली ऐसी है जिसके पास ऐसा जलाशय है, जिससे शहरवासियों को पानी की सप्लाई होती है। हालांकि, प्रशासन की लापरवाही के कारण झील का पानी हरा हो गया है और आरोप है कि इलाके में बदबू फैल रही है।

कामतघर ग्राम पंचायत के समय में स्थानीय नागरिक झील में मछली पकड़ते थे। 1982 में मनपा में शामिल होने के बाद झील पर मनपा का कब्जा हो गया। लेकिन बीस साल पहले बनी सुरक्षा दीवारें भी टूट चुकी हैं। हालांकि, मनोज काटेकर ने इस बात की आलोचना की कि झील के बचाव के लिए महानगर पालिका की तरफ से कोई ठोस खर्च नहीं किया जा रहा है और चेतावनी दी कि अगर नगर पालिका ने ध्यान नहीं दिया तो वे झील पर कब्ज़ा कर लेंगे और इसकी सफ़ाई और रखरखाव करेंगे, और इसमें मछली पकड़ने की इजाज़त दी जाएगी। यह साफ़ कर दिया गया है कि इससे रेवेन्यू जेनरेट होने से नगर पालिका को भी रेवेन्यू मिलेगा।

आम सूचना

मैं श्रीमती पूनम अनिल गुप्ता सभी को सूचित कर रही हूं कि रुम, गजानन नगर, उल्हासनगर- 4. (टैक्स नं. 40सीआय009334300) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती शोभा संजय आव्हाड के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 8.5.2026 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती पूनम अनिल गुप्ता

बॉलीवुड में अब भी पुरुषों का दबदबा -कृति सेनन

- महिला कलाकार बराबर मेहनत करती हैं , फिर भी फीस में बड़ा अंतर

बॉलीवुड में एक्टर्स की फीस और बढ़ते प्रोडक्शन कॉस्ट को लेकर लंबे समय से बहस चल रही है। अब एक्ट्रेस और प्रोड्यूसर कृति सेनन ने भी इंडस्ट्री में मौजूद जेंडर पे गैप और पैट्रिआर्की पर खुलकर बात की है। उन्होंने कहा कि आज भी फिल्मों में बजट कम पड़ने पर सबसे पहले एक्ट्रेस की फीस कम की जाती है, जबकि मेल स्टार्स की फीस पर ज्यादा असर नहीं पड़ता।

कृति ने GQ India से बातचीत में कहा कि बॉलीवुड में पैट्रिआर्की अब भी गहराई से मौजूद है। उनके मुताबिक, फीमेल-लीड फिल्मों को लेकर मेकर्स आज भी रिस्क लेने से डरते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि ऐसी फिल्में मेल-लीड फिल्मों जितना बिजनेस नहीं कर पाएंगी।

कृति ने सवाल उठाया कि जब मेहनत दोनों कलाकार बराबर करते हैं तो फीस में इतना बड़ा फर्क क्यों होता है। एक्ट्रेस ने यह भी बताया कि कई बार फिल्म का बजट कंट्रोल करने के नाम पर एक्ट्रेसेस से फीस कम करने को कहा जाता है। वहीं बड़े मेल स्टार्स की फीस और उनकी डिमांड्स पर कम सवाल उठते हैं। इंडस्ट्री में बढ़ती स्टार फीस और एंटूराज कॉस्ट को लेकर पहले भी कई फिल्ममेकर चिंता जता चुके हैं। कृति ने पहले भी कहा था कि सितारों के साथ चलने वाले लोगों और दूसरी गैरजरूरी चीजों पर बहुत खर्च होता है, जबकि ध्यान फिल्म की कहानी पर होना चाहिए। उन्होंने कहा था कि किसी किरदार की जरूरत के हिसाब से खर्च समझ आता है, लेकिन कई बार लग्जरी और गैरजरूरी खर्च भी प्रोड्यूसर्स पर डाल दिए जाते हैं। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा था कि एक स्टार के लिए दो कुक और एक शेफ रखना जरूरत से ज्यादा है।

आग लगने पर जल्दबाजी न करें तैयार रहें!

- ठाणे मनोरुग्णालय अस्पताल में फायर सेफ्टी वीक का जोश

ठाणे. आग लगने पर जल्दबाजी न करें पहले से तैयार रहें," "फायर सेफ्टी वीक 2026" के तहत ठाणे मनोरुग्णालय अस्पताल में अलग-अलग अवेयरनेस और ट्रेनिंग एक्टिविटीज़ जोश के साथ की गईं। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के निर्देशों के अनुसार 4 मई से 10 मई तक आयोजित इस प्रोग्राम में मरीजों, रिश्तेदारों और स्टाफ को फायर सेफ्टी की अहमियत अच्छे से बताई गई।मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. नेताजी मुलिक के गाइडेंस में आयोजित प्रोग्राम के सेंटर में "सेफ हॉस्पिटल, सेफ होम, सेफ कम्युनिटीज़" का कॉन्सेप्ट रखा गया। OPD डिपार्टमेंट में, पोस्ट बेसिक डिप्लोमा इन साइकेट्रिक नर्सिंग के स्टूडेंट्स ने "RACE" और "PASS" प्रोटोकॉल, आग से बचाव के तरीकों और इमरजेंसी मैनेजमेंट के बारे में अवेयरनेस पैदा करने के लिए एक आकर्षक और जानकारी देने वाली पोस्टर एग्जीबिशन लगाई। इसके बाद, हाईटेक फायर सेफ्टी सोसाइटी की तरफ से एक लाइव फायरफाइटिंग एक्सरसाइज की गई। डेमोंस्ट्रेशन दिखाए गए। स्टाफ को फायर एक्सटिंग्विशर, स्मोक डिटेक्टर सिस्टम, इमरजेंसी इवैक्युएशन प्रोसेस और मरीजों को सुरक्षित जगह पर ले जाने के सही इस्तेमाल की ट्रेनिंग दी गई। मेंटल हेल्थ हॉस्पिटल में मरीजों की सेफ्टी के लिए हर कर्मचारी को अलर्ट और ट्रेंड रहने की ज़रूरत पर खास ज़ोर दिया गया।प्रोग्राम के आखिर में, सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने फायर सेफ्टी की शपथ ली और हॉस्पिटल को ज़्यादा सुरक्षित और तैयार रखने का संकल्प लिया। इस पहल से हॉस्पिटल परिसर में सेफ्टी को लेकर एक पॉजिटिव माहौल बना है और समाज में फायर सेफ्टी अवेयरनेस का एक ज़रूरी मैसेज भी फैला है।फायर सेफ्टी सिर्फ़ एक फॉर्मैलिटी नहीं है बल्कि जान बचाने की एक सामूहिक ज़िम्मेदारी है। सही ट्रेनिंग, समय पर रिस्पॉन्स और टीमवर्क से बड़े संकटों को टाला जा सकता है।

आम सूचना

मैं श्रीमती समीजून खातून सभी को सूचित कर रही हूं कि रुम, आकाश कॉलोनी, चाल नं. 10, रुम नं. 36, उल्हासनगर- 5. (टैक्स नं. 55डीओ013181200) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती सपना भजन तेजवानी के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 24.4.2026 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती समीजून खातून

आम सूचना

मैं श्री मनिष सदानंद कोचरेकर सभी को सूचित कर रहा हूं कि फ्लैट नं. 2, ग्राऊंड फ्लोर, टैगोर को-आप, हाउसिंग सोसायटी, उल्हासनगर रेलवे स्टेशन के पास, उल्हासनगर- 4. (टैक्स नं. 40सीओ008894900) उक्त प्रॉपर्टी श्री संतोष वी. पिंजानी व श्रीमती कुसुम संतोष पिंजानी के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 3.5.2026 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री मनिष सदानंद कोचरेकर

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099